page 1 and 8 jan 16_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/16/2026 1:03 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 डीआईपीआर द्वारा समग्र स्वास्थ्य पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

5 लेडेकी ने प्रो स्विम सीरीज में रचा इतिहास, 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में दूसरा सबसे तेज समय

8 कैसे लें चने की भरपूर उपज

मौसम जम्मू — न्यूनतम 8 — अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-14 | जम्मू तवी, शुक्रवार 16 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

केंद्रीय गृह सचिव ने सुरक्षा स्थिति पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के साथ बैठक की

जम्मू, 15 जनवरी। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने गुरुवार को यहां उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ बैठक की और सुरक्षा स्थिति चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों और केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की परिचालन तैयारियों पर चर्चा की। जम्मू के दो दिवसीय दौरे पर आए मोहन ने गुरुवार को पहाड़ी इलाकों में बढ़ी हुई परिचालन सुरक्षा, समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने और सीमाओं पर चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों और ड्रोन घुसपैठ का आकलन करने के लिए एक और उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि गृह सचिव ने आज सुबह लोक भवन में उपराज्यपाल से मुलाकात की और जम्मू-कश्मीर में व्यापक सुरक्षा, संचालन और विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने कश्मीर और जम्मू के जुड़वां क्षेत्रों में वर्तमान

सुरक्षा स्थिति, घाटी और जम्मू क्षेत्र के पहाड़ी इलाकों में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों और संयुक्त सुरक्षा व्यवस्था की परिचालन तैयारियों पर चर्चा की और समीक्षा की। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस, अर्धसैनिक बलों, सेना और खुफिया एजेंसियों के बीच अंतर-एजेंसी समन्वय पर भी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि हाल की गतिविधियों के मद्देनजर जम्मू के पहाड़ी इलाकों में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने से संबंधित मुद्दों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि मोहन ने जम्मू के कन्वेंशन सेंटर में लगातार दूसरे दिन अपनी बैठकें जारी रखीं, जहां विभिन्न बलों, पुलिस और खुफिया एजेंसियों के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में सीमा सुरक्षा प्रबंधन, जम्मू की पहाड़ियों में सुरक्षा बढ़ाने, अंतर-एजेंसी समन्वय की समीक्षा की गई और सीमा पर चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों और ड्रोन घुसपैठ का आकलन किया गया। यह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 8 जनवरी को सुरक्षा बलों को मिशन मोड में आतंकवादी बुनियादी ढांचे और आतंकवादी वित्तपोषण को लक्षित करने वाले अभियान जारी रखने के निर्देश देने के एक सप्ताह बाद आया है। अधिकारियों ने बताया कि अधिकारियों की एक केंद्रीय टीम के साथ मोहन दो दिवसीय दौरे पर बुधवार दोपहर को जम्मू पहुंचे और उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के लिए सीधे कन्वेंशन सेंटर गए। इसमें इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार, सीआरपीएफ प्रमुख जीपी सिंह, जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात और वरिष्ठ सैन्य, पुलिस, नागरिक और खुफिया अधिकारी उपस्थित थे।सुरक्षा बल बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियानों में लगे हुए हैं खासकर जम्मू के ऊंचाई वाले इलाकों और वन क्षेत्रों में, जहां माना जाता है कि पाकिस्तानी नागरिकों सहित लगभग तीन दर्जन आतंकवादी दो साल से अधिक समय पहले इस क्षेत्र में घुसपैठ करने के बाद छिपे हुए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं, आतंकी सोच के खात्मे तक शांति के प्रयास रहेंगे जारी : राजनाथ सिंह

78वां सेना दिवस – शौर्य संध्या कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर, 15 जनवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना दिवस मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले जवानों के अदम्य साहस, अटूट समर्पण और अप्रतिम बलिदान की गाथा को स्मरण करने का दिन है। इन्हीं के कारण आज पूरा भारत सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के कण-कण में वीरता की गाथाएं समाई हैं। शौर्य, पराक्रम और त्याग की अमर कहानियों से यहां का इतिहास भरा हुआ है। राजस्थान की धरती ने हमेशा भारत की सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया है एवं इसे शक्ति तथा गरिमा भी प्रदान की है। सिंह गुरुवार को 78वें सेना दिवस के अवसर पर सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित किए गए शौर्य संध्या कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान के वीरों ने भारत माता की सेवा में अपने शरीर का रक्त बहाया है। महाराणा प्रताप की तलवार से लेकर राणा सांगा के शौर्य तक, पन्नाधाय के त्याग से

लेकर मीराबाई की भक्ति तक और भामाशाह की संपत्ति तक इस भूमि ने हर क्षेत्र में अद्भुत पुरुषार्थ का परिचय दिया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि राजस्थान के सभी समुदायों के वीरों ने सेना में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। आज भी राजस्थान के युवा सेना की विभिन्न रेजिमेंट में सेवारत होकर देश की सीमाओं पर रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के ऐतिहासिक किलों, महलों और स्मारकों ने सैकड़ों वर्षों से सैन्य क्षमता, रणनीति और साहस का पोषण किया है। ऐसी शौर्य भूमि पर शौर्य संध्या का आयोजन वीर सैनिकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। सिंह ने कहा कि 15 जनवरी का दिन भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से अंकित है। वर्ष 1949 में भारतीय सेना ने पहली बार भारतीय सेना अध्यक्ष के नेतृत्व में कदम रखा। जनरल के.एम. करियप्पा ने भारतीय सेना के पहले कमाण्डर इन चीफ के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि यह घटना औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति का, स्वाभिमान और स्वाधीनता की प्रतीक थी। तक से लेकर आज तक यह दिवस हमारे लिए संकल्प का दिवस है।रक्षा मंत्री ने कहा कि यह दिवस हमारे आत्ममंथन का भी अवसर है। हमारे लिए सब कुछ न्यौछावर करने वाले रक्षकों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का भाव निरंतर चला आ रहा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने सिर्फ अपनी सैन्य ताकत ही नहीं दिखाई बल्कि अपने राष्ट्रीय स्वभाव का भी परिचय दिया। आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई पूरी तरह से सोच समझ कर और मानवीय मूल्यों को ध्यान में रखकर की गई। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को भारत के इतिहास में सिर्फ सैन्य कार्रवाई के रूप में नहीं बल्कि साहस और संतुलन के प्रतीक के रूप में याद रखा जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब तक आतंकी सोच खत्म नहीं होती तब तक शांति के लिए हमारा यह प्रयास लगातार चलता रहेगा।

खबर संक्षेप

जम्मू और कश्मीर के निवासियों एवं छात्रों के संबंध में समन्वय एवं संपर्क के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

जम्मू, 15 जनवरी। जम्मू और कश्मीर सरकार ने नई दिल्ली स्थित जम्मू और कश्मीर सरकार के अतिरिक्त निवासी आयुक्त अनिल शर्मा को ईरान में रह रहे या अध्ययनरत जम्मू और कश्मीर के निवासियों एवं छात्रों के संबंध में समन्वय एवं संपर्क के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार ईरान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह नियुक्ति की गई है। अधिकारी को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय, संबंधित दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों तथा अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करने का कार्य सौंपा गया है ताकि ईरान में जम्मू और कश्मीर के निवासियों एवं छात्रों की सुरक्षा, कल्याण, यात्रा सुविधा और अन्य मुद्दों से संबंधित सूचनाओं का आदान-प्रदान और आवश्यक हस्तक्षेप सुनिश्चित किया जा सके।

पुलिस ने पुंछ में पाकिस्तानी आतंकी सरगना की संपत्ति जब्त की

पुंछ, 15 जनवरी। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को पुंछ जिले के निवासी पाकिस्तानी आतंकी सरगना की अचल संपत्ति जब्त कर ली। मंडी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के संबंध में अदालत के निर्देशों के बाद यह कार्रवाई की गई।

अधिकारियों ने बताया कि जब्त की गई संपत्ति मंडी तहसील में स्थित 10 कनाल और 14 मरला (लगभग 58,261.5 वर्ग फुट) जमीन है, जिसका अनुमानित मूल्य 22.05 लाख रुपये है। अधिकारियों के अनुसार यह जमीन चैंबर कनारी निवासी अब्दुल अजीज की है।

अजीज वर्तमान में पाकिस्तान में आतंकी सरगना के रूप में सक्रिय है। अधिकारियों ने बताया कि वह पहले पाकिस्तान और पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) भाग गया था। तब से वह भारत की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए हानिकारक गतिविधियों में शामिल रहा है। कानूनी प्रक्रिया से लगातार बचने के कारण अजीज को अदालत ने भगोड़ा घोषित कर दिया था।

जम्मू में मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह में उपराज्यपाल लेंगे सलामी; मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि

जम्मू, 15 जनवरी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने गणतंत्र दिवस-2026 के जश्न के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है उपराज्यपाल मनोज सिन्हा जम्मू के एम.ए. स्टेडियम में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की अध्यक्षता करेंगे और सलामी लेंगे जबकि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा संभागीय आयुक्त जम्मू-कश्मीर को जारी एक आधिकारिक संचार के अनुसार विभिन्न मंत्रियों और गणमान्य व्यक्तियों को गणतंत्र दिवस समारोह की अध्यक्षता करने और 26 जनवरी, 2026 को केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न जिला मुख्यालयों पर सलामी लेने के लिए नियुक्त किया गया है। तय कार्यक्रम के अनुसार उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी श्रीनगर में गणतंत्र दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगे जबकि स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्री सकीना मसूद इटू अनंतनाग में सलामी लेंगी। मंत्री जावेद अहमद राणा को पुंछ सौंपा गया है, मंत्री जावीद अहमद डार बारामूला में समारोह की अध्यक्षता करेंगे और मंत्री सतीश शर्मा कठुआ में सलामी लेंगे। आदेश में आगे कहा गया है कि उपरोक्त मंत्रियों द्वारा कवर नहीं किए गए जिला मुख्यालयों पर, डीडीसी अध्यक्ष गणतंत्र दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। उप-विभागीय मुख्यालयों पर जिम्मेदारी उप-विभागीय मजिस्ट्रेटों को सौंपी गई है जबकि तहसील, ब्लॉक और नगरपालिका मुख्यालयों में, सलामी संबंधित उपायुक्तों द्वारा तय किए गए अनुसार तहसीलदार या वरिष्ठतम नागरिक अधिकारी द्वारा ली जाएगी। सरकार ने सभी संबंधित अधिकारियों को राष्ट्रीय समारोह को चिह्नित करने के लिए जम्मू-कश्मीर में सुचारू, गरिमापूर्ण और अच्छी तरह से समन्वित समारोह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

सीमावर्ती जिलों में कोहरे का मौसम सुरक्षा के मोर्चे पर बड़ी चुनौती : डीआईजी शिव कुमार

जम्मू, 15 जनवरी। पुलिस उप महानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने गुरुवार को सांबा और कठुआ के सीमावर्ती जिलों में तैनात सुरक्षाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि कोहरा एक बड़ी सुरक्षा चुनौती है। शर्मा ने बताया कि बुधवार को संदिग्ध व्यक्तियों को देखे जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद तुरंत एक अभियान शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि कई टीमें तैनात की गई हैं और वर्तमान में इलाके की तलाशी ले रही हैं। अभियान अभी भी जारी है। कठुआ अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दी गई जानकारी बहुत विश्वसनीय थी और हम उस पर कार्रवाई कर रहे हैं, इसलिए हम इस स्तर पर अधिक विवरण साझा नहीं कर सकते।उन्होंने कहा कि हमारे सभी पुलिसकर्मी और जमीनी टीमें ड्यूटी पर हैं। हम जनता से अपील करते हैं कि यदि उन्हें कुछ भी संदिग्ध दिखाई दे तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। हमारी टीमें लोगों की सुरक्षा

के लिए प्रतिबद्ध हैं और पूरे क्षेत्र में तैनात हैं।

उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस से पहले विशेष अभियान समूह (एसओजी) की टीमें, जमीनी खुफिया इकाइयां और सभी पुलिस चौकियों के जवान तैनात कर दिए गए हैं और क्षेत्रवार तलाशी अभियान जारी हैं। शर्मा ने पत्रकारों से कहा कि यह कोहरे का मौसम है और कोहरा हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। कोहरे में तलाशी अभियान चलाना कई तरह से मुश्किल होता है, चाहे ड्रोन का इस्तेमाल हो या जमीनी बलों का।

मौसम विभाग ने शुक्रवार से जम्मू-कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई

श्रीनगर, 15 जनवरी। श्रीनगर मौसम केंद्र ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के छिटपुट स्थानों पर 16 जनवरी से हल्की बारिश और बर्फबारी का पूर्वानुमान लगाया है। साथ ही 23-24 जनवरी के दौरान चिनाब घाटी, उधमपुर और रियासी जिलों और दक्षिण कश्मीर में मध्यम से भारी बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने अपने नवीनतम मौसम चेतावनी में जम्मू-कश्मीर के कई अलग-अलग स्थानों पर बारिश और बर्फबारी का अनुमान लगाया है। इसमें कहा गया है कि 16 जनवरी को मौसम में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। इसमें यह भी कहा गया है कि 17-18 जनवरी के दौरान आंशिक रूप से लेकर आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और कुछ ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी होगी। 19-20 जनवरी से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के छिटपुट से लेकर काफी व्यापक स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इसमें यह भी कहा गया है कि उत्तरी और मध्य कश्मीर के कुछ ऊंचे इलाकों में मध्यम बर्फबारी हो सकती है।

बदलाव लाने के लिए जनता की भागीदारी ज़रूरी : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

मुंबई, 15 जनवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि बदलाव लाने के लिए जनता की भागीदारी ज़रूरी है और इसकी शुरुआत नागरिकों के वोट डालने से होती है। अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, बदलाव सिर्फ़ वही लोग ला सकते हैं जो इसमें हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। और हिस्सा लेने का मतलब यह नहीं है कि मैं उम्मीदवार के तौर पर खड़ा होऊं। हिस्सा लेने का मतलब यह भी है कि मैं कम से कम बाहर निकलूं और अपने वोट का इस्तेमाल करूं। अब्दुल्ला, जो मुंबई में इंडियन

इंस्टीट्यूट ऑफ़ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज़ में एक कार्यक्रम में थे, ऋस्र प्रमुख मोहन भागवत की उन टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे कि एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए वोटिंग ज़रूरी है। अब्दुल्ला ने कहा कि चाहे जम्मूकश्मीर हो, महाराष्ट्र हो या मुंबई, लोगों की अपनी-अपनी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि जब नतीजे आएंगे तो वोट ही किस्मत तय करेंगे। अब्दुल्ला ने कहा, इस बार महाराष्ट्र में राजनीतिक माहौल भी थोड़ा अजीब था। न कोई दोस्त था, न कोई दुश्मन। दोस्त दुश्मन बन गए और दुश्मन दोस्त बन गए। और अजीब रिश्ते बन गए। उन्होंने आगे कहा, कहीं कांग्रेस और बीजेपी ने हाथ मिलाया। कहीं बीजेपी और एआईएमएम ने हाथ मिलाया। कहीं एक ही पार्टी के दो हिस्से फिर से एक साथ आ गए।

लद्दाख प्रशासन ने जनगणना पूरी होने तक प्रशासनिक सीमाएं सील कीं

लेह, 15 जनवरी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के प्रशासन ने जनगणना 2027 के पूरा होने तक पूरे केंद्र शासित प्रदेश में जिलों, तहसीलों, नगर पालिकाओं, कस्बों, राजस्व गांवों और अन्य प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को फीज करने का आदेश दिया है। योजना, विकास और निगरानी विभाग की अधिसूचना के अनुसार जनगणना अभ्यास पूरा होने तक लद्दाख में जिलों, तहसीलों, नगर पालिकाओं, कस्बों, राजस्व गांवों और अन्य प्रशासनिक इकाइयों की सीमाएं अपरिवर्तित रहेंगी

यूएपीए मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग में कार कुर्क की

श्रीनगर, 15 जनवरी। पुलिस ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक कार जब्त की।एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि उत्तरासू पुलिस स्टेशन में यूएपी अधिनियम की धारा 18, 20, 23, 39 और भारतीय शस्त्र अधिनियम की 7/25 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 40/2025 के संबंध में पंजीकरण संख्या जेके 13ई-5393 वाली एक कार संलग्न की गई है।

उन्होंने कहा कि यह कुर्की उचित कानूनी प्रक्रियाओं के अनुरूप एक मामले की चल रही जांच के हिस्से के रूप में की गई है।

मुख्य सचिव ने लोगों की बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए हाउसिंग कॉलोनियों के तेज़ी से विकास का समर्थन किया

जम्मू, 15 जनवरी। जम्मूकश्मीर के लोगों की बढ़ती आवास ज़रूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्य सचिव ने गुरुवार जम्मू और कश्मीर हाउसिंग बोर्ड, जम्मू विकास प्राधिकरण , और श्रीनगर विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही हाउसिंग कॉलोनियों की प्रगति और भविष्य के रोडमैप का आकलन करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। समीक्षा में चल रही, प्रस्तावित और नियोजित आवास परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें कश्मीर और जम्मू दोनों डिवीजनों में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप और सेल्फ-फाइनेंसिंग योजनाओं जैसे नवीन मॉडलों के माध्यम से स्थायी विकास, सामर्थ्य

और समय पर निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में कमिश्नर सचिव, एच एंड यूडीडी के अलावा, जेडीए/एसएडी के उपाध्यक्ष; एमडी, जम्मू-कश्मीर लैपटॉप बोर्ड; सीईओ, सी.आई.टी.ए.जी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य सचिव ने कहा कि उपलब्ध शहरी भूमि में तेज़ी से कमी और लगातार बढ़ती ज़मीन की कीमतों के कारण आबादी के बड़े हिस्से के लिए आवास खरीदना मुश्किल हो गया है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार को नियोजित हाउसिंग कॉलोनियों के माध्यम से सक्रिय रूप से हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घर का स्वामित्व आम नागरिक, विशेष रूप से मध्यम और निम्न-आय वर्ग के लोगों की पहुंच में रहे।

महबूबा मुफ्ती ईरान से छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए केंद्र से हस्तक्षेप की मांग की

श्रीनगर, 15 जनवरी। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को ईरान में मौजूदा तनाव के बीच कश्मीरियों सहित छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की। इससे एक दिन पहले ईरान में पढ़ रहे कई कश्मीरी छात्रों के माता-पिता ने वहां की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी और केंद्र से उनके बच्चों की वापसी की सुविधा देने की अपील की थी। मौजूदा अस्थिर हालात के बीच कश्मीर समेत देशभर के हजारों छात्र ईरान में फंसे हुए हैं। इससे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित माता-पिता में गहरा भय और चिंता पैदा हो गई है। एस जयशंकर और विदेश मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप करने और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह करें महबूबा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अनुमान के मुताबिक छात्रों सहित 10,000 से अधिक भारतीय वर्तमान में ईरान में रह रहे हैं। एक ताज़ा सलाह के अनुसार तेहरान में भारतीय दूतावास ने छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यापारिक व्यक्तियों और पर्यटकों सहित सभी भारतीयों से वाणिज्यिक उड़ानों सहित परिवहन के उपलब्ध साधनों से ईरान छोड़ने का आग्रह किया है।ईरानी मुद्रा रियाल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद तेहरान में पिछले महीने के अंत में विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। तब से विरोध प्रदर्शन सभी 31 प्रांतों में फैल गया है जो आर्थिक संकट के खिलाफ आंदोलन से लेकर राजनीतिक परिवर्तन की मांग तक बढ़ गया है।

अगर आप भी उन पेरेंट्स में से हैं, जो यह मान कर बैठे हैं कि बच्चों को सब कुछ सिखाने की जिम्मेदारी स्कूल की है, तो अपने को थोड़ा दुरूस्त कर लें। अगर बच्चों को सुनहरे कल के लिए तैयार करना है, तो कुछ बातें आपको भी उन्हें सिखानी होंगी...

..बहुत जरूरी है बच्चों को यह सिखाना

सवाल पूछना

हम बच्चों से क्या चाहते हैं? यही न कि वे चीजों को खुद ब खुद सीखना और समझना जानें। इसके बाद हमें उन्हें हर चीज सिखाने की जरूरत नहीं होगी। जो कुछ उन्हें भविष्य में जानना-सीखना होगा, वे अपने आप उन चीजों को कर पाएंगे। बच्चे ऐसा कर सकें, इसका सबसे बेहतर तरीका यही है कि आप उन्हें सवाल पूछना सिखाएं। हालांकि ज्यादातर बच्चे ऐसा करते भी हैं, ऐसे में पेरेंट्स होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप बच्चों के हर सवाल का जवाब यथा-संभव देने की कोशिश करें। वैसे भी बच्चों की आदत होती है कि वे जब भी कुछ नया देखते हैं, उसके बारे में सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। लिहाजा जब बच्चे सवाल पूछें तो उन्हें डांटें या दुत्कारें नहीं, बल्कि इनाम दें।

पैशन खोजना

आपको क्या चीज आगे बढ़ाती है? आपका लक्ष्य, अनुशासन, बाहरी प्रेरणा, इनाम? नहीं, इनमें से एक भी चीज आपको आगे नहीं बढ़ाती। आपको आगे बढ़ाता है आपका पैशन। आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है, यह है आपका किसी भी काम को करने का पैशन। अपने बच्चे की मदद उसका पैशन खोजने में कीजिए। किस काम को करने में उसे बहुत मजा आता है। उसकी रूचियों, उसके काम को हतोत्साहित मत कीजिए और न ही किसी चीज का मजाक उड़ाइए।

प्रोजेक्ट संभालना

एक किताब लिखना, उसे बेचना, घर का कोई भी काम करना एक प्रोजेक्ट जैसा ही है। आप किसी भी एक प्रोजेक्ट पर अपने बच्चे के साथ काम कीजिए और उसे देखने दीजिए कि कोई भी चीज कैसे पूरी की जाती है। इसके बाद कोई भी काम उसे अपने-आप ज्यादा से ज्यादा करने दीजिए। उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसके बाद उसके सीखने की प्रक्रिया एक प्रोजेक्ट के समान ही होगी।

समस्याएं सुलझाना

यदि एक बच्चा कोई समस्या सुलझा सकता है तो वह दुनिया का कोई भी काम कर सकता है। कोई भी काम हमें डराने वाला हो सकता है, लेकिन देखा जाए तो वह महज एक समस्या है, जिसका हल होना है। एक नई स्किल, नया वातावरण, एक नई जरूरत किसी भी समस्या की वजह बन सकती हैं। इसलिए अपने बच्चे को समस्याएं सुलझाना सिखाइए। आप बच्चे के सामने साधारण समस्याएं रखिए और उसे कहिए कि वह इन्हें अपने हिसाब से सुलझाए। अगर वह उस समस्या को सुलझा नहीं पा रहा है तो आप तुरंत उसका हल मत बताइए, उसे थोड़ा जूझने दीजिए, उसे उस समस्या के सभी संभावित हल निकालने दीजिए और उसके प्रयासों के लिए उसे पुरस्कृत भी कीजिए। धीरे-धीरे बच्चे में किसी भी समस्या को लेकर आत्मविश्वास पैदा हो जाएगा और फिर शायद ऐसा कुछ नहीं बचेगा, जिसे वह हल नहीं कर सकता हो और आपकी समस्या भी बड़ी आसानी से हल हो जाएगी।

अपने आप में खुश रहना

सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को बहुत लाड़ करते हैं और यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की खुशी के लिए उनका बच्चों के साथ होना बहुत जरूरी है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें पता ही नहीं होता कि खुश कैसे रहा जाए और वे दोस्तों, शॉपिंग, वीडियो गेम्स, इंटरनेट जैसी बाहरी चीजों में अपनी खुशी ढूंढते हैं। जबकि एक बच्चे को आसानी से अपने-आप में खुश रहना सिखाया जा सकता है। वह खुद खेल सकता है, पढ़ सकता है, अपनी कल्पनाओं में खो सकता है। अपने बच्चे को शुरू से थोड़ी निजता की आदत डालें। उसे अकेले थोड़ा वक्त बिताने दें, वह खुद-ब-खुद खुश रहना सीख जाएगा।

सहनशक्ति

घर में बच्चों के चारों ओर सुरक्षित वातावरण होता है, लेकिन जब वे बाहरी दुनिया के संपर्क में आते हैं तो कई बार यह अनुभव उनके लिए डराने वाला, तकलीफदेह हो सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शुरू से ही हर तरह के लोगों से मिलने की आदत डालें। उन्हें बताएं कि दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं और अलग होना कोई बुरी बात नहीं है।

बदलाव स्वीकार करना

दुनिया हर क्षण बदलती रहती है और जो इस बदलाव को स्वीकार करके उसके साथ-साथ चलता है, वह हमेशा सुखी रहता है। जो लोग बदलाव नहीं चाहते या उससे डरते हैं, वे जिंदगी में बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत भी यही कहता है। किसी चीज पर अडिग होना अच्छा है, लेकिन उस पर अड़ जाना खराब है, जिंदगी में चीजों को लेकर थोड़ी नरमाई या लोच होना चाहिए। यदि आप बदलाव के अनुकूल बन जाते हैं तो आपको नए-नए अवसर मिलते हैं। ये नए अवसर आपकी प्राथमिकता बन जाते हैं, जबकि ये पहले आपके आस-पास भी नहीं थे। तो बच्चों को सिखाएं कि यदि वे किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करेंगे तो जिंदगी रोमांच से भरपूर बनी रहेगी।

आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है....

कैसे सजाएं आशियाना

अपने घर को ज्यादा सजाने के चक्कर में हम कभी-कभी इतना मशगूल हो जाते हैं कि वह बनावटी लगने लगता है। हमें लगता है कि हम हर तरह के सामान से अपने घर को सजाएं, परंतु वह सही नहीं है। कोई एक थीम लें और उसी पर कायम रह कर अपने घर को संवारें। हम आपको बता रहे हैं कुछ सामान्य गलतियां जो हम अपने नए घर को सजाने के वक्त कर बैठते हैं।

कमरे को हद से ज्यादा ना सजाएं

एक कमरे को फर्नीचर और दूसरे सामानों से भरने में वक्त नहीं लगता, वकत लगता है उसके सही प्लेसमेंट में। कमरे को खचाखच ना भरें। उसमें आराम से आने-जाने की और कुछ खाली जगह हो। साज-सज्जा सोबर रखें और सफाई पर ध्यान दें, क्योंकि कमरा भरा-भरा होगा तो साफ सफाई नहीं हो पाएगी।

जगह ना होने पर जबरदस्ती सामान जमाना

इसके लिए सबसे पहले अपनी बेकार की खरीददारी पर रोक लगाएं। बाजार में जो अच्छा दिख गया खरीद लाए, यह आदत गलत है। अगर कोई सामान कमरे के लिए फिट नहीं है तो उसे जमाने की कोशिश में समय ना बरबाद करें। एक व्यवस्थित और साफ कमरा ही दिखने में सुन्दर लगता है।

अव्यवस्था फैलाना

घर में अधिक अव्यवस्था की जरूरत नहीं है। अव्यवस्था से आसानी से बचा जा सकता है, इसके लिए तीन बातें याद रखें -

- चीजें जो महत्वपूर्ण हैं
- चीजें जिनके बिना काम नहीं चल सकता
- अनावशयक चीजों को बाहर निकाल दें

ये तीन बातें अव्यवस्था को रोक देंगी

कमरों में रोशनी के स्त्रोत कम होना

प्रकाश एक जरूरत है। यह सजावट के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। सबसे पहले तो घर में प्राकृतिक प्रकाश आना चाहिए। पर्दे और सामान के गलत प्लेसमेंट से प्राकृतिक प्रकाश स्त्रोतों को ब्लॉक मत होने दें। अपने कमरे में एक से अधिक प्रकाश के स्त्रोत लगाएं।

वेराइटी पर ध्यान ना देना

एक ही दुकान से अपना सारा सामान ना खरीदें। अलग-अलग दुकानों पर जाएं, इससे आपको भाव भी समझ आएगा और सामान की वेराइटी भी मिलेगी।

बजट के महत्व को कम समझना

बहुत उत्सुक ना बनें और बहुत ज्यादा खरीदी ना करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खरीददारी करें। सबकुछ एक बार में खरीदने की जल्दबाज़ी सही नहीं है। वही खरीदें जिसकी हाल-फिलहाल में ज़रूरत हो। एक बजट बनाएं और उस पर कायम रहें।

चेहरे की झाइयों का कैसे होता है उपचार

झाइयां एक ऐसी अवस्था है जिसमें चेहरे पर भूरे व काले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह दोनों गालों से शुरू होकर, बाद में बटर फ्लॉय शेप में होने लगते हैं। कभी-कभी यह नाक और आंख के ऊपरी हिस्से (भौंहे) में भी होते हैं।

पिगमेंटेशन कितनी गहराई तक है, उसके अनुसार झाइयों को चार भागों में विभाजित किया गया है, पढें अगले पेज पर ...

एपीडर्मल झाइयां

इस अवस्था में केवल ऊपरी सतह ही प्रभावित होती है। इस तरह की झाइयों को ठीक करना आसान होता है।

डर्मल झाइयां

इसमें पिगमेंटेशन त्वचा की गहराई तक होता है। इसका ट्रीटमेंट कठिन होता है।

मिश्रित - इस तरह की झाइयों का ट्रीटमेंट काफी कठिन होता है। इसमें लेज़र और पील उपचार आदि को संयुक्त रूप में दिया जाता है।

अस्पष्ट झाइयां

इस तरह की झाइयां बहुत गहरे रंग की त्वचा में पाई जाती हैं। ऐसी अवस्था में त्वचा की स्थिति के बारे में जानना आसान नहीं होता।

हार्मोनल असंतुलन

यह झाइयों का मुख्य कारण होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में हो सकता है या गर्भ निरोधक गोलियां लंबे समय तक लेने से हो सकता है।

अनुवांशिक कारण

अनुवांशिक कारणों से। धूप की किरणों से बचाव न करने की वजह से।

एलर्जी - कुछ कॉस्मेटिक उत्पाद जिनसे एलर्जी होने के बाद भी उपयोग करने के कारण।

थायरॉइड - झाइयां थायरॉइड बीमारी के मरीजों में भी देखी जा सकती है।

रजोनिवृत्ति - रजोनिवृत्ति के समय बढ़ जाती हैं।

हार्मोनल असंतुलन होने की वजह से झाइयों का उपचार करना कठिन होता है। सही ढंग से उपचार कराने पर यह ठीक हो जाती है।

गोरेपन की क्रीम

झाइयां दूर करने के लिए हायड्रोक्विनोन, ट्रेटिनोइन, रेटिनॉइड्स, कोजिक एसिड और विटामिन-सी आदि कई तरह की क्रीम्स का त्वचा की प्रकार व पिगमेंटेशन के अनुसार उपयोग किया जाता है।

लेजर उपचार-

लेज़र उपचार से भी काफी मदद मिलती है। लेसर में क्यू-स्विच्ड लेज़र का उपयोग करते हैं जिससे मिलेनोसाइट कम हो जाते हैं। यह उपचार लेने के लिए कई बार क्लिनिक पर जाना पड़ता है यानी यह कई सीटिंग्स में किया जाता है। यह सीटिंग्स महीने में एक बार होती हैं।

केमिकल पील उपचार-

इसमें ग्लाइकोपील, टीसीए पील, मेंडेलिक एसिड पील आदि विभिन्न पील का उपयोग होता है। पील उपचार के लिए कई सीटिंग होती हैं, इनमें 10 दिनों का अंतराल होता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

स्पीकर अब्दुल रहीम राथर ने जम्मू विश्वविद्यालय में 'दुर्रे-नायाब' पुस्तक समीक्षा कार्यक्रम को संबोधित किया

जम्मू, 15 जनवरी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के स्पीकर, एडवोकेट अब्दुल रहीम राथर ने आज जम्मू विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में शहीद वली मोहम्मद इत्तू की जीवनी पर आधारित पुस्तक **'दुर्रे-नायाब'** की पुस्तक समीक्षा कार्यक्रम को संबोधित किया।

यह पुस्तक मंत्री सकीना इत्तू, जो दिवंगत नेता की पुत्री हैं, द्वारा लिखी गई है। इसमें शहीद वली मोहम्मद इत्तू—जम्मू-कश्मीर विधानसभा के पूर्व मंत्री एवं स्पीकर—के जीवन और योगदान का विस्तार से वर्णन किया गया है, जिनकी 18 मार्च 1994 को जम्मू में आतंकियों द्वारा हत्या कर दी गई थी।इस अवसर पर बोलते हुए स्पीकर ने दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक सक्षम प्रशासक और जनप्रिय नेता बताया, जिन्होंने विशेषकर जम्मू-कश्मीर के वंचित वर्गों के कल्याण के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

स्पीकर ने याद दिलाया कि शहीद वली मोहम्मद इत्तू सिद्धांतों के पक्के व्यक्ति थे और 1990 के दशक की शुरुआत में उग्रवाद के कठिन दौर के बावजूद अपने सिद्धांतों और पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने कहा, फ्वे उन कठिन परिस्थितियों में भी कश्मीर छोड़ना नहीं चाहते थे और हमेशा अपने लोगों के बीच रहकर उनके उत्थान की इच्छा रखते थे।

दिवंगत नेता के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को याद करते हुए स्पीकर ने कहा, वर्ष 1977 में हम दोनों पहली बार विधायक चुने गए थे और यही संबंध समय के साथ गहरी मित्रता में बदल गया, जो उनके निधन तक बना रहा। उन्होंने कहा कि विधायक, एमएलसी, मंत्री या स्पीकर के रूप में उनका कार्यकाल अत्यंत उल्लेखनीय रहा और उनसे जुड़े सभी लोगों पर अमिट छाप छोड़ गया। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए स्पीकर ने शहीद वली मोहम्मद इत्तू को एक महान नेता बताया, जिनके निस्वार्थ कार्यों को शब्दों में समेटना कठिन है। उन्होंने यह भी कहा कि इस महान नेता ने समाज को एक साहसी पुत्री सकीना इत्तू देकर बड़ा उपकार किया है, जो अपने महान पिता के मिशन को आगे बढ़ा रही हैं।

जाविद डार ने केंद्रीय कृषि मंत्री से भेंट की; कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए बढ़े हुए केंद्रीय सहयोग की मांग

नई दिल्ली, 15 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता और निर्वाचन विभाग के मंत्री जाविद अहमद डार ने आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री से भेंट की और केंद्र शासित प्रदेश में कृषि, बागवानी एवं ग्रामीण विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान जाविद डार ने जम्मू-कश्मीर में चल रही प्रमुख केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं और फ्लैगशिप कार्यक्रमों की प्रगति एवं क्रियान्वयन की स्थिति से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने कृषि अवसंरचना को सुदृढ़ करने, बागवानी को बढ़ावा देने, सिंचाई एवं जल प्रबंधन सुविधाओं के विस्तार, कृषि यंत्रीकरण, गुणवत्तापूर्ण बीज एवं आदानों की उपलब्धता, विस्तार सेवाओं तथा ग्रामीण आजीविकाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रीय प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। मंत्री ने विशेष रूप से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) और कृषोन्नति योजना के तहत दूसरी किस्त को शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि समय पर वित्तीय सहायता से चल रही परियोजनाओं के निर्बाध क्रियान्वयन और किसानों तक लाभों की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी।

जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट कृषि-जलवायु परिस्थितियों, कठिन भौगोलिक भू-भाग तथा हाल की मौसम संबंधी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने केंद्रीय सरकार से ग्रामीण अवसंरचना के पुनर्स्थापन और कृषि आधारित आजीविकाओं को सुदृढ़ करने के लिए विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। मंत्री ने हाल ही में संपन्न भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर भी चर्चा की और जम्मू-कश्मीर के सेब उत्पादकों की घरेलू बाजारों पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर चिंताओं से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि स्थानीय किसानों के हित भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बने रहेंगे।

डीसी इलेवन ने सोशल वेलफेयर इलेवन पर 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की

कठुआ 15 जनवरी (हि.स.)। जिला प्रशासन की नशामुक्त अभियान पहल के तहत आयोजित एक क्रिकेट मैच में डीसी इलेवन ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए सोशल वेलफेयर इलेवन को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए सोशल वेलफेयर इलेवन को लय बनाने में काफी संघर्ष करना पड़ा और वे 12 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर केवल 43 रन ही बना पाए। डीसी इलेवन का गेंदबाजी आक्रमण बेहद मजबूत साबित हुआ, जिसमें अरुण ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में 11 रन देकर 4 विकेट लिए। विश्वजीत सिंह ने 2 विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया, वहीं रमन और रणजीत ठाकुर की अनुशासित गेंदबाजी ने स्कोर को नियंत्रण में रखा। एक साधारण लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसी इलेवन ने मात्र 6.1 ओवर में 45 रन बनाकर 1 विकेट खोकर मैच को आसानी से जीत लिया। राजिंदर डिंग्रा ने चार चैकों और दो छक्कों सहित 29 रनों की नाबाद शानदार पारी खेलकर पारी को संभाला, जबकि अश्वनी 8 रनों के साथ नाबाद रहे और टीम को आसान जीत दिलाई। इस मैच ने न केवल खेल का रोमांच प्रदान किया, बल्कि नशा मुक्ति अभियान के तहत खेल को सामाजिक जागरूकता से जोड़कर नशाखोरी के खिलाफ एक सशक्त संदेश भी दिया।

आसिया अंद्राबी की सजा कानून के राज की जीत : पूर्व डिप्टी मेयर

जम्मू, 15 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता एवं पूर्व डिप्टी मेयर एडवोकेट पूर्णिमा शर्मा ने गुरुवार को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को दोषी ठहराए जाने का स्वागत किया। उन्होंने इसे कानून के राज की निर्णायक जीत बताते हुए कहा कि यह फैसला जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ एक मजबूत संदेश है। एक बयान में पूर्णिमा शर्मा ने कहा कि इस सजा ने उन अलगाववादी नेटवर्कों का असली चेहरा उजागर कर दिया है, जिन्होंने दशकों तक कश्मीर के युवाओं को गुमराह कर देश के खिलाफ नफरत फैलाने का काम किया। उन्होंने कहा कि विचारधारा और धर्म की आड़ में भारत की संप्रभुता को चुनौती देने वालों को आखिरकार न्याय के कटघरे तक पहुंचाया गया है। अंद्राबी की पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित संगठन दुख्तरान-ए-मिल्लत की संस्थापक के तौर पर अंद्राबी वर्षों तक अलगाववादी प्रचार, आतंकवाद का महिमामंडन और देश विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने में सक्रिय रही। उन्होंने कहा कि यह संगठन सामाजिक सुधार के नाम पर महिलाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने और आतंक के तंत्र को मजबूत करने का माध्यम बना रहा। पूर्णिमा शर्मा ने कहा कि बार-बार गिरफ्तारियों के बाद यूएपीए के तहत हुई यह सजा दर्शाती है कि राष्ट्र के खिलाफ युद्ध छेड़ने और प्रतिबंधित संगठनों का समर्थन करने जैसे मामलों को राज्य कितनी गंभीरता से लेता है। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों और न्यायपालिका की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति तभी संभव है जब अलगाववाद और आतंकवाद का पूरी तरह खात्मा हो तथा युवाओं को विकास और संवैधानिक मूल्यों की दिशा में आगे बढ़ाया जाए। पूर्णिमा शर्मा ने दोहराया कि भाजपा आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति पर अडिग है और यह फैसला सभी राष्ट्रविरोधी तत्वों के लिए चेतावनी है कि कानून से ऊपर कोई नहीं।

29 लाख की लागत से बने कम्युनिटी हॉल का उद्घाटन

जम्मू, 15 जनवरी (हि.स.)। जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने वीरवार को वार्ड नंबर 30, तालाब तिल्लो स्थित श्री काली माता मंदिर परिसर में नवनिर्मित कम्युनिटी हॉल का उद्घाटन किया। मंदिर परिसर की दूसरी मंजिल पर बनाए गए इस आधुनिक हॉल का निर्माण 29 लाख रुपये की लागत से किया गया है। यह सुविधा क्षेत्र के लोगों के लिए धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों हेतु एक सुसज्जित स्थान प्रदान करेगी। उद्घाटन अवसर पर अरविंद गुप्ता ने कहा कि यह कम्युनिटी हॉल केवल एक इमारत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

डीआईपीआर द्वारा समग्र स्वास्थ्य पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

जम्मू, 15 जनवरी। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय (डीआईपीआर) ने डीआईपीआर ऑडिटोरियम में समग्र स्वास्थ्य- श्वास, मन और ध्यान का विज्ञान विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।इस कार्यशाला में निदेशक सूचना नितीश राजोरा; संयुक्त निदेशक (मुख्यालय) डॉ. ज़हूर अहमद रैना; संयुक्त निदेशक, जम्मू संभाग, दीपक दुबे; डीआईपीआर तथा संभागीय कार्यालय जम्मू के अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यशाला के सत्रों का संचालन प्रसिद्ध आहार विशेषज्ञ, योग शिक्षिका एवं चक्र ध्यान विशेषज्ञ डॉ. मिताली गुप्ता ने किया। उन्होंने वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्राचीन योगिक ज्ञान के साथ सहजता से जोड़ते हुए अपने अनुभवात्मक शिक्षण दृष्टिकोण के माध्यम से सत्रों को व्यावहारिक, रोचक और परिवर्तनकारी बनाया।कार्यशाला का एक विशेष आकर्षण डॉ. मिताली गुप्ता के छात्र एवं एक वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले देव द्वारा दिया गया लाइव व्यावहारिक प्रदर्शन रहा। उनके आत्मविश्वासपूर्ण और अनुशासित प्रदर्शन की सराहना की गई, जो इस बात का सजीव उदाहरण था कि योग और ध्यान किस प्रकार व्यक्तियों को सशक्त बना सकते हैं और समावेशी विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को शरीर, श्वास और मन के बीच गहरे अंतर्संबंध की महत्वपूर्ण समझ प्राप्त हुई, साथ ही मानसिक शांति और आंतरिक संतुलन प्राप्त करने के व्यावहारिक उपाय भी सीखने को मिले।

नए श्रम कानूनों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ 15 जनवरी (हि.स.)। श्रम विभाग कठुआ ने अपने निरंतर सूचना, शिक्षा और संचार अभियान के तहत, नए श्रम कानूनों पर एक दिवसीय जागरूकता और संवादात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य हितधारकों को हाल ही में हुए श्रम कानून सुधारों के बारे में जागरूक करना था।

कार्यक्रम में मानव संसाधन प्रमुखों, प्रबंधन प्रतिनिधियों और आईआईडी केंद्र, एसआईसीओपी और भगवथली औद्योगिक क्षेत्रों की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के अधिकारियों ने भाग लिया और चर्चाओं एवं संवादात्मक सत्रों में सक्रिय रूप से शामिल हुए। सहायक श्रम आयुक्त कठुआ पियूषा खजूरिया ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैधानिक अनुपालन, औद्योगिक सद्भाव और नियोक्ता कर्मचारी संबंधों में सुधार सुनिश्चित करने के लिए नए श्रम कानूनों के बारे में जागरूकता और उचित समझ की आवश्यकता पर बल दिया।तकनीकी सत्रों के दौरान, कठुआ के श्रम निरीक्षक ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियाँ संहिता, 2020 के प्रमुख प्रावधानों पर विचार-विमर्श किया और श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित विभिन्न पहलुओं की व्याख्या की। कठुआ के सहायक श्रम आयुक्त ने औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 पर भी एक विस्तृत सत्र आयोजित किया, जिसमें संहिता के तहत किए गए प्रमुख सुधारों और परिवर्तनों को स्पष्ट और व्यापक रूप से उजागर किया गया। कार्यक्रम के अंत में एक खुली चर्चा आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए और सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

डीजीपी लद्दाख डॉ. एसडी सिंह जामवाल, एसपी श्रुति अरोड़ा को नई पोस्टिंग के लिए कार्यमुक्त किया गया

लेह, 15 जनवरी (हि.स.)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के प्रशासन ने गृह मंत्रालय द्वारा जारी अलग-अलग आदेशों के बाद पुलिस महानिदेशक डॉ. शिव दर्शन सिंह जामवाल और पुलिस अधीक्षक श्रुति अरोड़ा को उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया है।

आदेशों के अनुसार, 1995-बैच एजीएमयूटी कैडर के अधिकारी डॉ जामवाल को 8 जनवरी, 2026 (दोपहर) से डीजीपी लद्दाख के पद से मुक्त कर दिया गया है और आगे की पोस्टिंग के लिए अरुणाचल प्रदेश सरकार को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

एक अन्य आदेश में, पुलिस मुख्यालय लद्दाख में एसपी के रूप में कार्यरत 2018-बैच एजीएमयूटी कैडर अधिकारी श्रुति अरोड़ा को गोवा सरकार में उनके स्थानांतरण पर 14 जनवरी, 2026 (दोपहर) से केंद्र शासित प्रदेश से मुक्त कर दिया गया है, जहां उन्हें आगे के कर्तव्यों के लिए रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या :– **770-W/01/WA/JAT/80-2025-26-DRM-JAT, 81-2025-26-DRM-JAT, (to be opened on 03.02.2026)** भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए नीचे दिए गए शीर्षक वाली निविदाओं के विरुद्ध खुली निविदाएं (ई-निविदाएं) आमंत्रित करती हैं और **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं, जिनकी अंतिम तिथि 03.02.2026 को 15:00 बजे तक है। बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही जमा कर सकेंगे, इन निविदाओं के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और प्राप्त होने वाले ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

ठेकेदारों को इस निविदा के विरुद्ध निविदा दस्तावेज लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध भुगतान विधियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है।

क्र. सं.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण		
1	80-2025-26-DRM-JAT	वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (कार्य)/ पालमपुर के अधिकार क्षेत्र में बैजनाथ पप्रोला (BJPL) स्टेशन पर रेल कर्मचारियों की सुविधा हेतु नया मॉडल रनिंग रूम एवं क्रू लॉबी बनाए जाने का कार्य।		
	विज्ञापित मूल्य (रु.)	ऑफर की वैधता	समाप्ति की अवधि	
	27443562.85	60 दिन	06 माह	
2	81-2025-26-DRM-JAT	सहायक मंडल अभियंता, जम्मू के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (कार्य) / कठुआ के अधिकार क्षेत्र में स्थित महत्वपूर्ण पुल संख्या 17 पर गाइड बंड की सुरक्षा, पियर्स के चारों ओर स्कॉरिंग से सुरक्षा कार्य तथा अपस्ट्रीम (UP स्ट्रीम) जम्मू छोर की ओर विकास कार्य		
	विज्ञापित मूल्य (रु.)	ऑफर की वैधता	समाप्ति की अवधि	
	71213681.47	60 दिन	06 माह	

नोट:– 1. ठेकेदारों को सलाह दी जाती है कि वे बोलियां प्रस्तुत करने से पहले इस निविदा के विरुद्ध जारी किसी भी शुद्धिपत्र के लिए आईआरईपीएस वेबसाइट देखें। 2. यदि हिंदी विज्ञापन में कोई त्रुटि पाई जाती है, तो अंग्रेज़ी विज्ञापन मान्य होगा। 149/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR

OFFICE OF THE CHILD DEVELOPMENT PROJECT OFFICER RAMSOO (UKHRAL)

EXTENSION NOTICE

Due to poor response of advertisement Notice No. 09 of 2025 and 10 of 2025 for the post of Sangini (AWW) and Sahayika (AWH), the date has been extended for 05 days up to 20-01-2026

No: - ICDS/R/U/2025-26/382 Dated: - 14-01-2026

DIP/J-10205/25
Dtd: 15-1-2026

Sd/-
Child Development Project Officer,
Poshan, Ramsoo (Ukhral)
(Member Secretary) Selection Committee)

OFFICE OF THE DIVISIONAL FOREST OFFICER SOCIAL FORESTRY DIVISION, RAMBAN

e-TENDERING

Short Term Tender Notice: e-NIT No: 11 of 2025-26 Dated: 14/01/2026

For and on behalf of the Lt. Governor, Union Territory of Jammu & Kashmir, e-tenders are invited from approved and eligible contractors registered with UTof J&K Govt./Central Govt. Organizations for the following works:-

Name of Work

S/N	Name of work	Adv. Cost (rs. In Lacs)	EMD @2% (in rs.)	Class of Contractor	Cost of Tender Document	Time of Completion
01	Repair and renovation of Range Officer Social Forestry Range Ramban	5.00	10000/-	ABC&D	Rs.500/-	30 Days

The e-NIT consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, bill of quantities.(B.O.Q), Set of Terms & Conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental Website:-www.jktenders.gov.in

Position of funds : 50% Allotted
Position of AA : Accorded & Position of TS : Accorded

Publishing Date.	**14-01-2026**
Download Start Date.	**14-01-2026 from 06:00 PM**
Bid Submission Start Date.	**14-01-2026 from 06:00 PM**
Bid Submission End Date.	**22-01-2026upto 03:00 PM**
Date of opening of Technical Bid. Director, Jammu)	**23.01.2026 at 01.00 PM (in the Office of Regional Department of Social Forestry, OPP. NITCO Lane,**
Date of opening of Financial Bid	**23.01.2026 at 02:00 PM (in the Office of Regional Director, Department of Social (online) Forestry, Opp. NITCO Lane, Jammu).**

The Bids shall be deposited in electronic format on the Departmental Website:-https://jktenders.gov.in.

1. The price bids uploaded on the website in time will be opened on 23.01.2026 at 02:00 PM in the Office of Regional Director, Department of Social Forestry, Opp. NITCO Lane, Jammu. In case of date of opening of the bid being public holiday, the same will be opened on the next working day at the same time and venue.
2. Bids must accompany cost of tender document as shown against each work in the shape of Treasury Challan for the amount shown against the work above to be deposited in Govt. Treasury under Account Head 0406-Forest. The bids for the work shall remain valid for a period of 90 days from the date of opening of bids.
3. In light of Govt. Notification issued by Finance Department Civil Secretariat Vide No. A/24(2017)-651 dated:-07-06-2018, the bidder must upload the copy of challan / receipt on account of cost of tender documents remitted in the treasury concerned and for that the bidders must write an application to be addressed to treasury officer concerned requesting therein for remittance of amount as cost of tender documents towards M.H.0406-Forest.
4. Performance security at 3% of the advertised cost in the shape of CDR/FDR shall have to be deposited by the lowest bidder (L-1) and will remain in force for a period till the satisfactory physical completion of the contract plus "defective liability period" of six months.
5. In case of abnormally low bids (i.e>15% &upto including 30% below advertised cost), the successful bidder (L1) shall have to deposit Additional Performance Security in the shape of CDR/FDRbefore issuance of Award of Contractas per break up given below &in case of abnormally low bids (i.e>30% below)the biddersshallhave to deposit Additional Performance Security @ 20% of the Advertised cost in advance i.eat the time of bid submission online failing which price bid shall be rejected. :-

S.No. Percentage of abnormally low bids	%age of Additional Performance Security
01 Upto& including 15% below	Nil
02 >15% upto& including 20% below	5 % of the Advertised Cost
03 >20% upto& including 25% below	10 % of the Advertised Cost
04 >25% upto& including 30% below	15 % of the Advertised Cost
05 >30% below	20% of the Advertised Cost

The Additional Performance Security shall be released after successful completion of the work after seeking report in this regard from the Range Officer concerned.

6. After receiving electronic message of financial Bids. The L1 Bidder should deposit the Original Performance Security in the form of CDR/FDR/ pledged to Divisional Forest Officer Social Forestry Division Rambanin the office of the Divisional Forest Office Social Forestry Division Rambanduring working hours within 05 days. If L1 bidder fails to submit the original documents / Performance Security within 05 days, the department will cancel the tender and action shall be taken against the contractor to debar in future tendering process as decide by the Department.
7. The original instruments in respect of cost of documents and relevant documents of L1 bidder will be required to besubmitted to the Divisional Forest Officer Social Forestry Division Ramban within five days of opening of financial bids on-line. No separate intimation about opening of financial bids will be sent by this office / by the tender opening authority. In case the original documents are not submitted by the L-1 bidder within five days after opening of financial bid, the tender will be cancelled and the bidder will not be allowed to participate in any further / future tendering process in the Division for a period of three years.
8 Bidders are advised to download bid submission manual from the "Downloads" options as well as from " Bidders Manual Kit" on website www.jktenders.gov.in.

No.:- 725-28 /SF/Rbn Dated:-14-01- 2026

DIP/J-10183/25
Dtd: 15-1-2026

Sd/-
Divisional Forest Officer
Social Forestry Division
Ramban

डीसी ने वंदे मातरम अभियान के दूसरे चरण की तैयारियों की समीक्षा की

कठुआ 15 जनवरी (हि.स.)। कठुआ जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय गौरव के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले 'वंदे मातरम' के दूसरे चरण की तैयारियों की समीक्षा की। यह बैठक कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा की अध्यक्षता में हुई।

डीसी ने रैलियों, वाद-विवाद, संगोष्ठियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जागरूकता गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया, साथ ही मौजूदा विभागीय कार्यक्रमों को अभियान के साथ एकीकृत करने की बात कही ताकि इसके उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि गतिविधियों में वंदे मातरम से जुड़ी एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना झलकनी चाहिए।

डीसी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे पूरे जिले में अभियान का समन्वित कार्यान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि एडीसी और एसडीएम अपने-अपने उप-मंडलों में अभियान की निगरानी करें ताकि जमीनी स्तर पर प्रभावी पहुंच सुनिश्चित हो सके। बैठक के दौरान यह दोहराया गया कि शिक्षा, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, आईसीडीएस और सूचना सहित सभी हितधारक विभाग अभियान के बारे में सक्रिय रूप से जानकारी प्रसारित करें और जमीनी स्तर पर छात्रों, युवाओं और समुदाय के सदस्यों की भागीदारी सुनिश्चित करें।

डीसी ने विभागों को यह भी निर्देश दिया कि वे निगरानी और रिपोर्टिंग को सुगम बनाने के लिए सभी गतिविधियों का विवरण और दस्तावेज समय पर समर्पित अभियान पोर्टल पर अपलोड करें। बैठक में एडीडीसी कठुआ, जीएम डीआईसी कठुआ, एडीसी कठुआ, आरटीओ, एसीडी और अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे, जबकि एडीसी बसोहली, एडीसी बिलावर, एसडीएम हीरानगर और एसडी बानी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

संपादकीय

सनसनी न फैलाएँ

जम्मू और कश्मीर, विशेषकर कश्मीर में आतंकवाद के लंबे दौर को देखते हुए यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि सरकार क्षेत्र में उपद्रवी गतिविधियों में शामिल अंतिम व्यक्ति तक को समाप्त करने के लिए कुछ अलग-हटकर कदम उठाए। इसके लिए उन सभी संस्थाओं पर नजर रखना, जिनके आतंक के पारिस्थितिकी तंत्र से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध हो सकते हैं, अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

इस संदर्भ में, पिछले वर्ष 'व्हाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद कश्मीर में मस्जिदों, मदरसों और उनके प्रबंधन से जुड़े लोगों की प्रोफाइलिंग की प्रक्रिया शुरू किए जाने संबंधी रिपोर्ट को बेहद सकारात्मक रूप में लिया जाना चाहिए।

जिनसे जानकारी साझा करने को कहा गया है, उन्हें सहयोग करना चाहिए, क्योंकि यह पूरा प्रयास आतंकवाद को पूरी तरह और स्थायी रूप से खत्म करने के उद्देश्य से ही किया जा रहा है।

किसी भी परिस्थिति में इस सुरक्षा अभियान को नकारात्मक रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसका उद्देश्य उन तत्वों की पहचान करना है जो किसी न किसी रूप में क्षेत्र की शांति के लिए खतरा बने हुए हैं। जम्मू और कश्मीर में स्थायी शांति स्थापित करना सरकार सहित ज़मीन पर काम कर रही सभी एजेंसियों और समाज के हर वर्ग का साझा लक्ष्य होना चाहिए।

कुछ राजनीतिक ताकतें इस सामान्य सुरक्षा अभ्यास का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि ऐसा करके वे जम्मू और कश्मीर के समाज के प्रति बड़ा अहित कर रही हैं।

सरकार की कार्रवाइयों को संदेह की दृष्टि से देखना उचित नहीं है, क्योंकि वर्तमान शासन का एकमात्र लक्ष्य कश्मीर को शांत, रहने योग्य और ऐसा बेहतर स्थान बनाना है जहाँ के निवासी आगे बढ़ सकें और समृद्ध हो सकें। सरकार की सोच को कमजोर करना, जो क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है, और उसकी कार्रवाइयों को गलत व झूठे कथानकों के माध्यम से सनसनीखेज बनाना, लोगों के हितों के खिलाफ है और इससे बचना चाहिए।

यह पूरा अभ्यास किसी के धार्मिक अधिकारों, स्वतंत्रता या आज़ादी को छीनने के लिए नहीं है, बल्कि इसे एक नियमित प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए, जिसका उद्देश्य उन तत्वों की पहचान करना है जो किसी न किसी तरह से क्षेत्रीय शांति और विकास पहलों के लिए चुनौती बने हुए हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि इस तरह के अभ्यास से संबंधित संस्थाओं को कुछ असुविधा हो सकती है, लेकिन कश्मीर में शांति के लिए यह कीमत बिना किसी शिकायत के चुकानी होगी। जम्मू और कश्मीर के राजनीतिक वर्ग को चाहिए कि वे सभी वर्गों के लोगों से इस प्रक्रिया का सक्रिय रूप से हिस्सा बनने की अपील करें, ताकि हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई का लक्ष्य जल्द से जल्द हासिल किया जा सके।

ग्रामीण स्कूलों में शिक्षिकाओं की कमी

दूसरी ओर, सरकारी नीतियाँ इस असमानता को सीधे संबोधित नहीं करती हैं। भर्ती में आरक्षण को तो लागू किया जाता है, लेकिन पोस्टिंग में इच्छा और सुविधा को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप, ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष शिक्षकों की संख्या अधिक रहती है। यही वह दोहरा मापदंड है, जो महिलाओं के समानता के अधिकारों और शिक्षा के मूल सिद्धांत के खिलाफ जाता है

– डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में शिक्षा की गुणवत्ता और समानता हमेशा से एक चुनौती रही है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच, संसाधनों, शिक्षक उपलब्धता और शिक्षा के अवसरों में व्यापक अंतर दिखाई देता है। इस असमानता का सबसे स्पष्ट उदाहरण प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की तैनाती और लिंग संतुलन में देखा जा सकता है।

शहरों के प्राथमिक स्कूलों में अक्सर 10 से 18 शिक्षक तैनात होते हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं होती हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक स्कूलों में औसतन 3-4 शिक्षक ही होते हैं और उनमें से एक भी महिला नहीं होती। यही वह असमानता है, जो न केवल शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित करती है बल्कि समाज में लिंग समानता की दिशा में भी बड़ी बाधा बनती है।

भारत में शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 50त्न आरक्षण का प्रावधान है। यह कानून स्पष्ट रूप से महिलाओं को समान अवसर देने की दिशा में उठाया गया कदम है। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब भर्ती में आरक्षण है, तो पोस्टिंग में यह क्यों लागू नहीं होता? ग्रामीण क्षेत्र में पुरुष शिक्षकों की तैनाती क्यों अधिक होती है और महिलाओं को वहां सेवा देने के लिए क्यों नहीं प्रोत्साहित किया जाता?

इसका उत्तर जटिल है। सबसे पहले, सुरक्षा और सुविधाओं की कमी एक बड़ा कारण है। सुदूर और दूर-दराज के गांवों में रहने की सुविधा सीमित होती है। कई महिला शिक्षक वहां तैनाती के लिए अनिच्छुक रहती हैं। परिवहन की समस्या, सुरक्षित आवास की कमी, सामाजिक और पारिवारिक प्रतिबंध जैसे कारक भी उनके निर्णय को प्रभावित करते हैं।

दूसरी ओर, सरकारी नीतियाँ इस असमानता को सीधे संबोधित नहीं करती हैं। भर्ती में आरक्षण को तो लागू किया जाता है, लेकिन पोस्टिंग में इच्छा और सुविधा को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप, ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष शिक्षकों की संख्या अधिक रहती है। यही वह दोहरा मापदंड है, जो महिलाओं के समानता के अधिकारों और शिक्षा के मूल सिद्धांत के खिलाफ जाता है।

सामाजिक दृष्टि से यह असमानता और भी चिंताजनक है। महिला शिक्षक केवल शैक्षिक कर्तव्य नहीं निभाती हैं; वे बच्चों के लिए रोल मॉडल होती हैं। विशेष रूप से लड़कियों के लिए, महिला शिक्षक शिक्षा में प्रेरणा और विश्वास का स्रोत होती हैं। ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की अनुपस्थिति का मतलब है कि लड़कियां उच्च शिक्षा और करियर के विकल्पों के प्रति प्रेरित नहीं हो पातीं।

इसके अलावा, शिक्षकों की संख्या और लिंग संतुलन का प्रभाव बच्चों की सीखने की क्षमता पर भी पड़ता है। शोधों से पता चलता है कि लिंग संतुलन वाले कक्षा वातावरण में बच्चों की सामाजिक और भावनात्मक विकास बेहतर होता है। वे सहकर्मी सहयोग, समानता की भावना और सामाजिक संवेदनशीलता सीखते हैं। यदि ग्रामीण स्कूलों में केवल पुरुष शिक्षक हैं, तो यह अनुभव बच्चों से छूट जाता है।

कानूनी और संवैधानिक दृष्टि से भी यह असमानता चुनौतीपूर्ण है। भारतीय संविधान की धारा 14 और 15 हर नागरिक को समानता का अधिकार देती है और लिंग के आधार पर भेदभाव से बचाती है। भर्ती में 50त्न आरक्षण तो महिलाओं को समान अवसर देता है, लेकिन पोस्टिंग में इसे नजरअंदाज करना संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है। यह नीति केवल कानूनी रूप से नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी असंगत है।

सरकार की इस दोहरी नीति का असर स्पष्ट है। शहरी स्कूलों में महिलाएं भरपूर तैनात हैं, इसलिए 50त्न आरक्षण दिखाई देता है। वहीं, ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की कमी, उनके आरक्षण का वास्तविक लाभ न के बराबर कर देती है। यह नीति न केवल ग्रामीण शिक्षा को कमजोर करती है, बल्कि सामाजिक और लैंगिक समानता के मूल सिद्धांत को भी कमजोर करती है।

इस असमानता को दूर करने के लिए ठोस कदम जरूरी हैं। महिला शिक्षकों को आकर्षित करने के लिए विशेष भत्ता, सुरक्षित और संरचित आवास, परिवहन सुविधा और स्वास्थ्य सुविधाएँ सुनिश्चित की जानी चाहिए। अगर महिलाओं को सुरक्षा और सुविधा मिलेगी, तो वे ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देने के लिए अधिक इच्छुक होंगी।

भर्ती के साथ-साथ पोस्टिंग नीति में भी महिलाओं का 50% प्रतिनिधित्व अनिवार्य होना चाहिए। इसे लागू करने के लिए सरकार को विशेष निर्देश जारी करने होंगे और तैनाती की निगरानी करनी होगी। स्थानीय समुदाय के सहयोग से महिला शिक्षकों की सेवा को सरल और सुरक्षित बनाया जा सकता है। ग्राम स्तर पर महिला शिक्षकों के लिए सहायता समूह और स्थानीय सुरक्षा नेटवर्क बनाए जा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में सेवा देने वाली महिला शिक्षिकाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और पेशेवर विकास के अवसर सुनिश्चित करने होंगे। यह उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगा और ग्रामीण शिक्षा में उनका योगदान बढ़ाएगा।

ग्रामीण समाज में महिलाओं के काम करने के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण बदलना आवश्यक है। महिलाओं की शिक्षा और पेशेवर भूमिका को सम्मान और समर्थन मिलना चाहिए। यदि इन कदमों को अपनाया जाए तो न केवल ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की कमी दूर होगी, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह नीति ग्रामीण शिक्षा में समानता और गुणवत्ता का संदेश भी भेजेगी।

भर्ती में आरक्षण का होना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक समानता तभी संभव है जब पोस्टिंग में भी लिंग संतुलन और सुविधा आधारित नीति लागू हो। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल पुरुष शिक्षकों की उपस्थिति यह स्पष्ट करती है कि आरक्षण का लाभ महिलाओं तक सही मायने में नहीं पहुँच रहा है। अगर हम चाहते हैं कि भारत की शिक्षा प्रणाली सभी बच्चों के लिए समान अवसर और उच्च गुणवत्ता प्रदान करे, तो यह समय है कि सरकार इस असमानता को दूर करने के लिए स्पष्ट और ठोस नीति सुधार करे।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारतीय सेना- युद्धभूमि में अडिग, संकट में राष्ट्र का संबल

भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी।

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को 'कश्मीर युद्ध' नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था।

– योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मना रहे हैं।

सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी।

जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी।

भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे 'भारतीय थल सेना' नाम दिया गया।

भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकर्ताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी।

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को 'कश्मीर युद्ध' नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था।

उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था।

आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। 2025 की 'ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट' के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलरी, 3300 हल्की आर्टिलरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं।

भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शमिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो।

भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे-ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं। धरती पर लड़ी जाने वाली लड़ाईयों के लिए भारतीय सेना की गिनती दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में होती है और कहा जाता है कि अगर किसी सेना में अंग्रेज अधिकारी, अमेरिकी हथियार और भारतीय सैनिक हों तो उस सेना को युद्ध के मैदान में हराना असंभव होगा।

जापान के एक आकलन के मुताबिक भारतीय थलसेना चीन के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। इस रिपोर्ट के अनुसार हिन्द महासागर के मध्य में होने के कारण भारत की रणनीतिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है और दक्षिण एशिया में अब भारत का काफी प्रभाव है।

अमेरिकी न्यूज़ वेबसाइट सीएनएन की एक रिपोर्ट में भी दावा किया जा चुका है कि भारत की ताकत पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ गई है और युद्ध की स्थिति में भारत का पलड़ा भारी रह सकता है। बोस्टन में हार्वर्ड केनेडी स्कूल के बेलफर सेंटर फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल अफेयर्स तथा वाशिंगटन के एक अमेरिकी सुरक्षा केन्द्र के अध्ययन में कहा जा चुका है कि भारतीय सेना उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ाई के मामले में माहिर है और चीनी सेना इसके आसपास भी नहीं फटकती।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ईरान, ट्रंप और प्रतिरोध की राजनीति

– डॉ. सत्यवान सौरभ

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कुछ संघर्ष केवल सीमाओं या संसाधनों तक सीमित नहीं होते, वे विचारधाराओं, सत्ता-संतुलन और नैतिकता की भी परीक्षा लेते हैं। ईरान और अमेरिका के बीच दशकों से चला आ रहा टकराव ऐसा ही एक संघर्ष है, जो समय-समय पर नए रूपों में सामने आता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान यह टकराव जिस तीव्रता और आक्रामकता के साथ उभरा, उसने वैश्विक राजनीति को एक बार फिर शीतयुद्धोत्तर दौर की अस्थिरता की याद दिला दी। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही ईरान अमेरिका की रणनीतिक और वैचारिक राजनीति का लक्ष्य रहा है। अमेरिका ने ईरान को केवल एक राष्ट्र-राज्य के रूप में नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक राजनीतिक मॉडल के रूप में देखा- ऐसा मॉडल जो पश्चिमी प्रभुत्व, इज़राइल-केन्द्रित पश्चिम एशिया नीति और अमेरिकी साम्राज्यवादी सोच को चुनौती देता है। यही कारण है कि ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध, कूटनीतिक अलगाव और सैन्य दबाव लंबे समय से अमेरिकी विदेश नीति का हिस्सा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में यह नीति और अधिक कठोर, असंवेदनशील और टकरावपूर्ण हो गई। 2015 में ईरान और विश्व शक्तियों के बीच हुए परमाणु समझौते से अमेरिका का एकतरफा हटना न केवल कूटनीतिक असंतुलन का उदाहरण था, बल्कि यह भी दर्शाता था कि ट्रंप प्रशासन अंतरराष्ट्रीय सहमति और बहुपक्षीयता को किस हद तक नज़रअंदाज़ करने को तैयार था। इसके बाद ईरान पर अधिकतम दबाव नीति लागू की गई, जिसका उद्देश्य ईरानी अर्थव्यवस्था को घुटनों पर लाना और शासन को आंतरिक विद्रोह की ओर धकेलना था। इतिहास साक्षी है कि दबाव हमेशा झुकाव पैदा नहीं करता। कई बार वह प्रतिरोध को जन्म देता है। ईरान के मामले में भी यही हुआ। आर्थिक कठिनाइयों, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद ईरान ने अपने राजनीतिक अस्तित्व, संप्रभुता और वैचारिक पहचान को बनाए रखा। यहाँ यह समझना ज़रूरी है कि ईरान का विरोध केवल अमेरिका की नीतियों से नहीं है, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था से है जिसमें कुछ गिने-चुने देश स्वयं को न्यायाधीश और शेष दुनिया को अभियुक्त मान लेते हैं। जैसी करनी वैसी भरनी का सिद्धांत केवल नैतिक कहावत नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी गहराई से लागू होता है। पश्चिम एशिया में दशकों तक किए गए अमेरिकी हस्तक्षेप— इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया- ने क्षेत्र को स्थिरता नहीं, बल्कि अराजकता दी। लोकतंत्र के नाम पर सत्ता परिवर्तन, मानवाधिकारों के नाम पर सैन्य आक्रमण और आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध के नाम पर निर्दोष नागरिकों की हत्या- इन सबने अमेरिका की नैतिक साख को गहरा नुकसान पहुँचाया। ऐसे में जब ईरान अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देता है तो वह केवल अपनी रक्षा नहीं कर रहा, बल्कि उस व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है, जो ताकत को ही न्याय मानती है। ट्रंप की विदेश नीति का एक और खतरनाक पहलू उसका व्यक्तिवादी और आवेगपूर्ण स्वभाव था। कूटनीति संवाद और धैर्य से चलती है, जबकि ट्रंप की राजनीति ट्वीट, धमकी और शक्ति-प्रदर्शन पर आधारित थी। ईरानी जनरल क़ासिम सुलेमानी की हत्या इसी मानसिकता का परिणाम थी। यह घटना न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन थी, बल्कि इसने पूरे पश्चिम एशिया को युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया। इसके बाद ईरान की प्रतिक्रिया ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब वह केवल सहने की नीति पर नहीं चल रहा। ईरान की राजनीति को अक्सर पश्चिमी मीडिया में कट्टर, दमनकारी और पिछड़ा बताकर प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन यह चित्रण अधूरा और एकांगी है। ईरान की जनता ने बार-बार यह साबित किया है कि वे बाहरी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करेंगे, चाहे वह कितनी भी आकर्षक शब्दावली में क्यों न लपेटा गया हो। ईरान में सरकार की आलोचना होती है, विरोध होते हैं, लेकिन जब बात राष्ट्रीय संप्रभुता की आती है, तो जनता और सत्ता एकजुट दिखाई देते हैं। यही वह तत्व है जिसे पश्चिमी रणनीतिकार अक्सर समझने में चूक जाते हैं। भारत जैसे देशों के लिए यह पूरा परिदृश्य एक गंभीर चेतावनी भी है और अवसर भी। ईरान भारत का पारंपरिक मित्र रहा है- ऊर्जा सुरक्षा, क्षेत्रीय संपर्क (चाबहार बंदरगाह) और मध्य एशिया तक पहुँच के लिहाज़ से ईरान का महत्व असंदिग्ध है। लेकिन अमेरिका के दबाव में भारत का ईरान से दूरी बनाना उसकी स्वतंत्र विदेश नीति पर प्रश्न खड़े करता है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को किसी तीसरे देश की नाराज़गी के डर से गिरवी न रखे। आज वैश्विक राजनीति एक संक्रमण काल से गुजर रही है। एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था की पकड़ ढीली पड़ रही है और बहुध्रुवीयता का उदय हो रहा है। ऐसे में ईरान जैसे देश, जो लंबे समय से दबाव और प्रतिबंधों के बीच खड़े रहे हैं, नए शक्ति-संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। रूस-चीन-ईरान के बढ़ते समीकरण इस बदलाव के संकेत हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अब दुनिया केवल वाशिंगटन के इशारों पर नहीं चलेगी। अंततः प्रश्न यह नहीं है कि ईरान सही है या अमेरिका गलत। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या वैश्विक राजनीति में शक्ति ही न्याय का एकमात्र पैमाना होगी या फिर अंतरराष्ट्रीय कानून, संप्रभुता और समानता के सिद्धांतों को वास्तविक सम्मान मिलेगा। यदि बड़े राष्ट्र अपनी करनी से दुनिया को डराते रहेंगे तो भरनी के रूप में उन्हें अस्थिरता, अविश्वास और प्रतिरोध ही मिलेगा। ईरान और ट्रंप के दौर की अमेरिकी राजनीति हमें यही सिखाती है कि दमन से स्थायित्व नहीं आता और धमकी से सम्मान नहीं मिलता। इतिहास अंततः उसी का पक्ष लेता है जो अपनी संप्रभुता, आत्मसम्मान और जनता की चेतना के साथ खड़ा रहता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वेदांता कलिंगा लांसर्स की लगातार चौथी जीत, हीरो हॉकी इंडिया लीग में तालिका के शीर्ष पर पहुंची टीम

एजेंसी

रांची। वेदांता कलिंगा लांसर्स ने पुरुष वर्ग की हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में शानदार फॉर्म जारी रखते हुए हैदराबाद तूफान्स को 1-0 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। यह लांसर्स की टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत रही। मैच का एकमात्र गोल अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने दागा। रांची स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले की शुरुआत बेहद संतुलित रही। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां दोनों ने बराबर संख्या में सर्कल एंट्री दर्ज की। हालांकि गेंद पर अधिक नियंत्रण हैदराबाद तूफान्स के पास रहा, लेकिन गोल की दिशा में पहला खतरनाक प्रयास कलिंगा लांसर्स ने किया। लियाम हेंडरसन को शुरुआती बढ़त दिलाने का मौका मिला, लेकिन गोलकीपर जीन-पॉल डैनेबर्ग ने शानदार बचाव कर स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा। दूसरे क्वार्टर में खेल की गति और तेज हो गई। दोनों टीमों ने आक्रमण तेज करते हुए, एक-एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। इस चरण में हैदराबाद तूफान्स ने दबदबा बनाते हुए अधिक सर्कल एंट्री की, लेकिन गोल के लिहाज से किस्मत उनका साथ नहीं दे सकी। वहीं, लांसर्स एक बार फिर बढ़त के करीब पहुंचे जब लियाम हेंडरसन का शक्तिशाली शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया। पहले हाफ की समाप्ति तक दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं।

लेडेकी ने प्रो स्विम सीरीज़ में रचा इतिहास, 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में दूसरा सबसे तेज़ समय

एजेंसी

लॉस एंजेलिस। नौ बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अमेरिका की केटी लेडेकी ने एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित करते हुए महिलाओं की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में इतिहास का दूसरा सबसे तेज़ समय दर्ज किया। उन्होंने टेक्सास के ऑस्टिन में आयोजित यूएस प्रो स्विम सीरीज़ में 15 मिनट 23.21 सेकंड का समय निकालकर शानदार जीत हासिल की।

लेडेकी इस रेस में पूरी तरह हावी रहीं और 16 वर्षीय ब्रिंकलि हैनसन से एक मिनट से भी अधिक के अंतर से जीत दर्ज की। हैनसन ने 16:31.31 के समय के साथ दूसरा स्थान पाया, जबकि बेका मैन 16:35.09 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। हालांकि लेडेकी अपने 2018 में बनाए गए विश्व रिकॉर्ड (15:20.48) को नहीं तोड़ सकीं,

लेकिन उन्होंने अपने ही पिछले दूसरे सर्वश्रेष्ठ समय 15:24.51 में सुधार किया, जो उन्होंने पिछले साल फ्लोरिडा के फोर्ट लॉडरडेल में प्रो स्विम सीरीज़ के दौरान बनाया था। इसके बाद लेडेकी ने सिंगापुर में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में इस स्पर्धा में अपना छठा विश्व खिताब भी जीता। 1500 मीटर फ्रीस्टाइल को महिलाओं के लिए ओलंपिक स्पर्धा बनाए जाने के बाद से लेडेकी ने टोक्यो 2021 और पेरिस 2024 ओलंपिक में लगातार दो स्वर्ण पदक जीते हैं। 28 वर्षीय लेडेकी, जिन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में 800 मीटर फ्रीस्टाइल में अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण जीता था, 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक को देखते हुए भी शानदार फॉर्म में नजर आ रही हैं। लेडेकी अब तक 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में 15:30 से कम का समय 10 बार निकालने वाली एकमात्र महिला हैं। उनके नाम इस स्पर्धा के अब तक के शीर्ष 12 समय और शीर्ष 25 में से 24 समय दर्ज हैं। इटली की सिमोना क्वाडरेला का 15:31.79 का समय, जो उन्होंने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में लेडेकी के बाद दूसरा स्थान पाते हुए बनाया था, अब इतिहास का 13वां सबसे तेज़ समय है।

राजकोट वनडे : डेरिल मिचेल के नाबाद 131 रनों से न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया

राजकोट। डेरिल मिचेल की बेहतरीन और संयमित शतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे मुकाबले में भारत को सात विकेट से पराजित कर श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेले गए इस मैच में मिचेल ने 117 गेंदों पर नाबाद 131 रन बनाते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट पर 284 रन बनाए। भारतीय पारी की रीढ़ रहे केएल राहुल, जिन्होंने नाबाद 112 रन बनाए। यह वनडे प्रारूप में राहुल का आठवां शतक रहा। उन्होंने अपनी पारी में धैर्य और संतुलन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने भी अर्धशतकीय पारी खेली। 285 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 13वें ओवर तक स्कोर 46/2 हो गया। मोहम्मद सिराज और विशेष रूप से हर्षित राणा ने नई गेंद से प्रभावी गेंदबाजी करते हुए दबाव बनाया। डेवोन कॉनवे 16 रन बनाकर राणा की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए, जबकि हेनरी निकोल्स 10 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर अपने ही स्टंप्स पर गेंद लगा बैठे।

इसके बाद डेरिल मिचेल और विल यंग ने तीसरे विकेट के लिए 152 गेंदों में 162 रनों की अहम साझेदारी कर पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने खराब गेंदों का पूरा फायदा उठाया और एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाकर रन गति को नियंत्रण में रखा। यंग ने 98 गेंदों पर 87 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें सात चौके शामिल थे। हालांकि वह अपने शतक से 14 रन दूर रह गए और कुलदीप यादव की गेंद पर कैच दे बैठे।

वर्दी में प्रहरी, मैदान में जांबाज: सीनियर नेशनल खो-खो में सुरक्षा व पुलिस बलों की दिखी दमदार मौजूदगी

नई दिल्ली/काजीपेट (तेलंगाना)। देश की सीमाओं की कठिन ड्यूटी हो या आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी–अनुशासन, साहस और समर्पण सुरक्षा बलों की पहचान है। यही मूल्य इन दिनों तेलंगाना के काज़ीपेट में आयोजित 58वीं सीनियर राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप में भी देखने को मिल रहे हैं, जहां अर्धसैनिक और पुलिस बलों से जुड़े खिलाड़ी पूरे जोश के साथ मैदान में उतर रहे हैं। इन खिलाड़ियों के लिए खो-खो केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि उनके पेशेवर जीवन का विस्तार है। हर तेज दौड़, हर सटीक डाइव और हर सामूहिक रणनीति में वही अनुशासन झलकता है, जो वे वर्दी में निभाते हैं–टीमवर्क, सहनशक्ति और राष्ट्र के प्रति निष्ठा। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के खिलाड़ियों से बनी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की संयुक्त पुरुष व महिला टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसके अलावा अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड (एआईपीएससीबी) की पुरुष और महिला टीमें भी प्रतियोगिता में उतरी हैं। इन टीमों में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और पंजाब जैसे नौ राज्यों के पुलिस खिलाड़ी शामिल हैं।

कॉनर गैलाघर टोटेनहम हॉटस्पर में शामिल, एटलेटिको मैड्रिड से किया ट्रांसफर

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के मिडफील्डर कॉनर गैलाघर ने आधिकारिक तौर पर प्रीमियर लीग क्लब टोटेनहम हॉटस्पर का दामन थाम लिया है। टोटेनहम ने ला लीगा क्लब एटलेटिको मैड्रिड से 25 वर्षीय गैलाघर के साइनिंग की घोषणा की। वह थॉमस फ्रैंक की टीम से लंबी अवधि के करार पर जुड़े हैं, हालांकि यह अंतरराष्ट्रीय मंजूरी के अधीन है।

क्लब की वेबसाइट पर जारी बयान में गैलाघर ने कहा, 'मैं टोटेनहम का खिलाड़ी बनना चाहता था और सौभाग्य से क्लब की भी यही भावना थी। सब कुछ बहुत जल्दी और आसानी से हो गया। अब मैं मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं जानता हूं कि यहां के प्रशंसक कितने शानदार हैं। इस क्लब का हिस्सा बनकर मुझे बेहद खुशी हो रही है और मैं सभी के साथ मिलकर खास लम्हे और यादें बनाना चाहता हूं।' कॉनर गैलाघर ने अपने करियर की शुरुआत चेल्सी की अकादमी से की थी और बाद में वह क्लब की पहली टीम के अहम

सदस्य बने। उन्होंने चेल्सी की कप्तानी भी की। गैलाघर ने चेल्सी और क्रिस्टल पैलेस के लिए कुल 177 प्रीमियर लीग मैच खेले हैं। इसके अलावा वह चार्लटन एथलेटिक, स्वानसी सिटी और वेस्ट ब्रॉमविच एल्बियन के लिए लोन पर भी खेल चुके हैं। अगस्त 2024 में गैलाघर ने डिएगो सिमियोने की कोचिंग में एटलेटिको मैड्रिड जॉइन किया था, जहां उन्होंने 77 मुकाबलों में हिस्सा लिया। रियल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में 27 सेकंड में किया गया उनका गोल ऐतिहासिक रहा। वह मैड्रिड डर्बी में गोल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने और यह यूईएफए चैंपियंस लीग में किसी इंग्लिश खिलाड़ी का सबसे तेज गोल भी था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैलाघर अब तक इंग्लैंड के लिए 22 मैच खेल चुके हैं। वह 2022 फीफा विश्व कप और 2024 यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप की इंग्लैंड टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं। टोटेनहम में गैलाघर के आगमन से मिडफील्ड को मजबूती मिलने की उम्मीद की जा रही है और क्लब के प्रशंसक उनसे बड़े योगदान की आस लगाए बैठे हैं।

डब्ल्यूपीएल 2026: लिजेल ली और शैफाली के दम पर कैपिटल्स ने वॉरियर्स को हराया, दर्ज की पहली जीत

एजेंसी

नवी मुंबई। लिज़ेल ली की आक्रामक बल्लेबाजी और शैफाली वर्मा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने डब्ल्यूपीएल 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज की। कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में दिल्ली ने आखिरी ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले में यूपी वॉरियर्स को सात विकेट से मात दी। यह मुकाबला नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला गया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम गेंद पर लौरा वोल्वार्ड्ट ने संयम बनाए रखा और चौका जड़कर दिल्ली को जीत दिलाई। इस जीत के साथ दिल्ली ने अंक तालिका में अपना खाता खोला।

दिल्ली की सधी गेंदबाजी से यूपी 154 पर सिमटी

पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्ज की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। दिल्ली की ओर से शैफाली वर्मा (2/11), मारिज़ान कप (2/14) और श्री चरणी (1/29) ने शानदार गेंदबाजी की। यूपी की कप्तान मेग लैनिंग ने 54 रनों की जिम्मेदार पारी खेली, जबकि हरलीन देओल ने 36 गेंदों में 47 रन बनाए। हालांकि 17वें ओवर के बाद हरलीन को रिटायर्ड आउट कराने का फैसला यूपी के लिए भारी पड़ गया। इसके बाद टीम की बल्लेबाजी लय टूट गई और अंतिम ओवरों में तेजी से विकेट गिरने लगे।

ली-वर्मा की तूफानी शुरुआत

155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने तेज शुरुआत की। लिज़ेल ली और शैफाली वर्मा ने नई गेंद के गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए 11 ओवर में 94 रनों की साझेदारी की। शैफाली ने 32 गेंदों में 36 रन बनाए, जिसमें छह चौके शामिल थे। वह 12वें ओवर में आशा शोभना की गेंद पर दीप्ति शर्मा के शानदार कैच का शिकार बनीं। इसके बाद भी ली का आक्रमण जारी रहा। उन्होंने 31 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन 15वें ओवर में 44 गेंदों पर 67 रन बनाकर आउट हुईं।

वोल्वार्ड्ट की सूझबूझ और आखिरी ओवर का रोमांच

नंबर तीन पर उतरी लौरा वोल्वार्ड्ट ने पारी को संभालते हुए टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाया। कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 14 गेंदों में 21 रन जोड़कर सहयोग किया, लेकिन 19वें ओवर में बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में वह कैच आउट हो गईं, जिससे मुकाबला फिर से रोमांचक हो गया। आखिरी ओवर में यूपी को जीत के लिए छह रन बचाने थे। सोफी एक्लेस्टन के ओवर में शुरुआती गेंदें डॉट रहीं, लेकिन एक फुलटॉस पर मारिज़ान कप ने चौका जड़ा। इसके बाद एक असफल डीआरएस रिव्यू से लेग बाई के जरिए स्कोर बराबर हो गया। अंतिम गेंद पर एक रन की जरूरत थी, लेकिन वोल्वार्ड्ट ने दबाव में भी शानदार कवर ड्राइव लगाकर चौका जड़ दिया।

एआईएफएफ से चर्चा के बाद केरल ब्लास्टर्स फुटबॉल क्लब का आईएसएल में भाग लेने का फैसला

नई दिल्ली। केरल ब्लास्टर्स फुटबॉल क्लब ने फरवरी से शुरू होने वाली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में अपनी भागीदारी की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। क्लब के आधिकारिक बयान में कहा गया कि क्लब आगामी इंडियन सुपर लीग में अपनी भागीदारी की पुष्टि करता है, जो फरवरी में शुरू होने वाली है। यह निर्णय अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और अन्य संबंधित पक्षों के साथ व्यापक चर्चा के बाद लिया गया है। क्लब ने हस्तक्षेप और मध्यस्थता के लिए युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय और खेल मंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। बयान में आगे कहा गया कि केरल ब्लास्टर्स मौजूदा स्थिति की सुरक्षा को प्राथमिकता देगा और भारतीय फुटबॉल के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करेगा। क्लब ने कहा कि हम जानते हैं कि कई सवाल और चिंताएं हैं और हम स्वयं भी कई मुद्दों पर स्पष्टता हासिल करने की प्रक्रिया में हैं। भारतीय फुटबॉल इस समय बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहां नई आर्थिक, नियामक और खेल संबंधी वास्तविकताएं सामने आएंगी।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन टी20 मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगा पाकिस्तान

लाहौर। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ खेली जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसकी घोषणा की। यह सीरीज़ 29 जनवरी से फरवरी की शुरुआत तक लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित होगी। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम 28 जनवरी, लाहौर पहुंचेगी। यह सीरीज़ दोनों टीमों के लिए आगामी टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज़ से बेहद अहम मानी जा रही है। पीसीबी के मुख्य परिचालन अधिकारी सुमैर अहमद सैयद ने कहा, 'यह दौरा पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों के लिए साल की शानदार शुरुआत है। मैं फैंस से अपील करता हूं कि वे बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचकर दोनों टीमों का समर्थन करें, क्योंकि ये टीमें टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 पुरुष ड्रॉ: सेमीफाइनल में भिड़ सकते हैं सिनर-जोकोविच और अल्कराज-ज्वेरेव

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के पुरुष वर्ग का ड्रॉ गुरुवार को मेलबर्न में आयोजित ड्रॉ समारोह के दौरान जारी किया गया। दो बार के मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर और वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कराज ने अपने अभियान की शुरुआत अपेक्षाकृत आसान मुकाबलों से की है, हालांकि ड्रॉ के अनुसार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सिनर बनाम नोवाक जोकोविच और अल्कराज बनाम अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबले देखने को मिल सकते हैं। दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन सिनर पहले दौर में फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन से भिड़ेंगे, जबकि शीर्ष वरीय कार्लोस अल्कराज का सामना ऑस्ट्रेलिया के स्थानीय खिलाड़ी एडम वॉल्टन से होगा। ड्रॉ समारोह के बाद सिनर ने कहा, 'ड्रॉ बहुत मुश्किल है, इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप किससे खेल रहे हैं। हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और यह सफर बहुत लंबा है।' 38 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ

कोर्ट पर उतरेंगे। अपने करियर में 21वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खेल रहे जोकोविच पहले दौर में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज (वर्ल्ड नंबर 71) से मुकाबला करेंगे। जोकोविच की पहली बड़ी परीक्षा चौथे दौर में 16वीं वरीयता प्राप्त याकुब मेंसिक के खिलाफ हो सकती है, जिन्होंने पिछले साल मियामी ओपन के फाइनल में जोकोविच को हराया था। क्वार्टरफाइनल में उनका सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी या नौवीं वरीय टेलर फ्रिट्ज से हो सकता है। तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव पहले दौर में कनाडा के गैब्रियल डियालो से खेलेंगे। दूसरे दौर में उनका संभावित मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन से हो सकता है। अगर ज्वेरेव शुरुआती दौर पार कर लेते हैं, तो चौथे दौर में आंद्रे रुब्लेव और क्वार्टरफाइनल में फेलिक्स ऑगर-अलियासिम से भिड़ने की संभावना है। कार्लोस अल्कराज के पास मेलबर्न में खिताब जीतकर करियर स्लैम पूरा करने का मौका होगा। क्वार्टरफाइनल में उनका संभावित मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर से हो सकता है। हालांकि डी मिनौर का रास्ता आसान नहीं है, क्योंकि पहले दौर में उनका सामना बड़े सर्विसर इटली के माटेओ बेरेटिनी से होगा और चौथे दौर में अलेक्जेंडर बब्लिक से भिड़ंत संभव है। इस बीच, तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता और 40 वर्षीय स्विस खिलाड़ी स्टेन वावरिंका अपना आखिरी ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलने जा रहे हैं। 2014 के चैंपियन वावरिंका को वाइल्ड कार्ड मिला है और पहले दौर में उनका सामना सर्बिया के लास्लो जेरे से होगा।

किड्स प्रीमियर क्रिकेट लीग-2026 : 108 रन से जीती द आर्यन्स बैशर्स

एजेंसी

मुरादाबाद। किड्स प्रीमियर क्रिकेट लीग-2026 में द आर्यंस बैसर्स व सीएसएस रायल्स के बीच मैच संपन्न हुआ। जिसमें द आर्यन्स बैसर्स ने 108 रन से जीत हासिल की। 7 बॉल में 12 रन बनाकर 3 विकेट लेने वाले द आर्यंस बेसर्स के आदि लिट को मैन ऑफ द मैच चुना गया। सीएसएस रायल्स ने टॉस जीत कर पहले बोलिंग चुनी। आर्यन्स बैसर्स ने पहले बैटिंग करते हुए 29.2 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 238 रन बनाए। जिसमें उजैर अहमद ने 45 बॉल में 64 रन और मोहम्मद शारिक ने 34 बॉल पर 51 रन की पारी खेली। सीएसएस रायल्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए पुरुषार्थ, शुएब, कामरान ने 2-2 विकेट लिए।

सीएसएस रायल्स ने बल्लेबाजी करते हुए 22.4 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 131 रन ही बना सकी। जिसमें सक्षम ने 33 बॉल में 31 व हसन ने 19 बॉल पर 21 रन की पारी खेली। द आर्यन्स बेशर्स की ओर से बोलिंग करते हुए आदि लिट ने 3 विकेट व अदनान,

आदित्य, राजदीप ने 2-2 विकेट लिए। 7 बॉल में 12 रन बनाकर 3 विकेट लेने वाले द आर्यंस बेसर्स के आदि लिट को मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस अवसर पर एमपीएस के प्रधानाचार्य शकील, मिर्जा दानिश आलम, प्रियांशु जोशी, रोहित, शरीफ शेख, सलीम, शांतनु दीक्षित, रोहित सूरी, ऋषिका, प्रतीक्षा आदि मौजूद रहीं।

एएफकॉन 2025: सालाह पर मारी पड़े माने, सेनेगल ने मिस्र को हराकर फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी

टैंजियर्स। सादियो माने के 78वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत सेनेगल ने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एफकॉन) 2025 के सेमीफाइनल में मिस्र को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ ही माने ने अपने पूर्व लिवरपूल साथी और मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह पर अहम मुकाबले में बढ़त हासिल की।

मैच के बाद 33 वर्षीय माने ने खुलासा किया कि यह उनका आखिरी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस टूर्नामेंट है। उन्होंने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं कि मुझे अपने आखिरी एफकॉन में खेलने का मौका मिला। मेरी कोशिश होगी कि फाइनल जीतकर ट्रॉफी डकार लेकर जाऊं।' पूर्व चैंपियन सेनेगल ने सतर्क रुख अपनाने वाली मिस्र टीम के खिलाफ मैच में गेंद पर ज्यादा नियंत्रण बनाए रखा। अब सेनेगल रविवार को होने

वाले फाइनल में मेज़बान मोरक्को से भिड़ेगा। इस नतीजे के साथ ही सेनेगल ने मिस्र के खिलाफ अपनी बढ़त बरकरार रखी। 'तेरांगा लायंस' ने 2022 के एफकॉन फाइनल और 2022 फीफा वर्ल्ड कप प्ले-ऑफ में भी मिस्र को हराया था। दोनों मुकाबलों का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ था। यह सेनेगल की एफकॉन फाइनल में चौथी उपस्थिति होगी। इससे पहले उसे 2002 में कैमरून और 2019 में अल्जीरिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, जबकि 2021 (2022 में आयोजित) संस्करण में उसने मिस्र को हराकर खिताब जीता था। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह को सेनेगल की मजबूत डिफेंस ने पूरे मैच में प्रभावी ढंग से रोके रखा। यह सालाह का पांचवां एफकॉन था और अब तक वह दो बार उपविजेता रहकर ही खिताब के सबसे करीब पहुंचे हैं। माने ने कहा, 'शुरुआत से ही हमने टीम के रूप में खेला। हमने व्यक्तिगत गलतियों और गैर-जरूरी फाउल से बचने की कोशिश की। पूरे मैच में हमने खेल को अच्छी तरह संभाला और कुल मिलाकर जीत के हकदार थे।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए सबसे अहम बात यह है कि सेनेगल हर बार जीते। मैं देश का सिपाही हूं और ट्रेनिंग हो या मैच, हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। अफ्रीका कप ऑफ नेशंस दुनिया की सबसे कठिन प्रतियोगिता है, क्योंकि यहां सभी टीमें लगभग बराबर स्तर की होती हैं।' मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कई बार तनातनी भी देखने को मिली। सेनेगल के अनुभवी डिफेंडर कालिदू कूलिबाली को 17वें मिनट में मिस्र के स्ट्राइकर ओमर मार्मूश पर फाउल करने के लिए पीला कार्ड मिला।

प्रो रेसलिंग लीग 2026 की शानदार वापसी, उद्घाटन मुकाबले में आमने-सामने होंगी यूपी डॉमिनेटर्स और पंजाब रॉयल्स

एजेंसी

नोएडा। भारत की प्रतिष्ठित फ्रेंचाइज़ी आधारित कुश्ती प्रतियोगिता प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) गुरुवार, 15 जनवरी 2026 से अपने पांचवें सत्र के साथ भव्य वापसी करने जा रही है। उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित नोएडा इंडोर स्टेडियम में शुरू होने वाला यह सीजन छह मजबूत फ्रेंचाइज़ियों, ओलंपिक पदक विजेताओं, विश्व चैंपियनों और उभरते भारतीय पहलवानों के साथ कुश्ती प्रेमियों को रोमांचक मुकाबलों का अनुभव कराने के लिए तैयार है। सीजन का पहला मुकाबला यूपी डॉमिनेटर्स और पंजाब रॉयल्स के बीच खेला जाएगा, जो लीग के नए दौर–बेहतर संचालन, एथलीट-केंद्रित ढांचे और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा–की झलक पेश करेगा। पीडब्ल्यूएल 2026 के सभी मुकाबले सोनी टेन 4 और सोनी टेन 5 पर प्रतिदिन रात 8 बजे से प्रसारित किए जाएंगे। डबल-हेडर मुकाबले शाम 6 बजे से शुरू होंगे। इसके साथ ही सभी मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगी।

संतुलन और रणनीति पर आधारित नया पीडब्ल्यूएल

इस बार की व्यापक नीलामी प्रक्रिया के बाद टीमें केवल बड़े नामों तक सीमित न रहकर रणनीतिक और संतुलित रोस्टर निर्माण पर केंद्रित नजर आ रही हैं। प्रत्येक टाई में नौ बाउट्स (पांच पुरुष और चार महिला वर्ग) होंगे, जिससे हर मुकाबला अंक तालिका की दृष्टि से बेहद अहम हो जाएगा। राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेली जाने वाली इस लीग की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। लीग का ग्रैंड फिनाले 1 फरवरी 2026 को खेला जाएगा।

पुरस्कार राशि

चैंपियन टीमः रुपये1.5 करोड़

उपविजेताः रुपये75 लाख

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंटः रुपये2.5 लाख

डेली प्लेयर ऑफ द मैच: रुपये 50,000

फाइटर ऑफ द मैचः ?25,000

प्रारूप में बदलाव बढ़ाएगा रोमांच पीडब्ल्यूएल 2026 में मुकाबलों को और रोमांचक बनाने के लिए फॉर्मेट में बदलाव किया गया है। प्रत्येक बाउट में तीन-तीन मिनट के दो राउंड होंगे। दूसरे राउंड के अंतिम एक मिनट में मिले अंक दोगुने गिने जाएंगे। इस बदलाव से आखिरी क्षणों तक मुकाबला खुला रहेगा और किसी भी पहलवान को निष्क्रिय होकर बढ़त बचाने का मौका नहीं मिलेगा।

इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से सिंधु बाहर, श्रीकांत प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिया ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए मिला-जुला दिन रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु चौंकाने वाले अंदाज़ में पहले दौर में ही बाहर हो गईं, जबकि अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने कड़े मुकाबले में जीत दर्ज कर राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सिंधु, जो पिछले सप्ताह मलेशिया सुपर-1000 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं, शुरुआती गेम जीतने के बावजूद दबाव बनाए नहीं रख सकीं। उन्होंने पहला गेम बेहद करीबी मुकाबले में 22-20 से जीता, लेकिन इसके बाद वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन के सामने 12-21, 15-21 से हार गईं। यह मुकाबला कुल 68 मिनट तक चला। पुरुष एकल में पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत को भी आसान जीत नहीं मिली। उन्होंने साथी भारतीय थरुण मन्नेपल्ली के खिलाफ पहला गेम 15-21 से गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-6 और 21-19 से जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। महिला एकल में चोट से वापसी कर रहीं मालविका बंसोड़ ने धैर्यपूर्ण और मजबूत रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन करते हुए चाइनीज ताइपे की पाई यू पो को 21-18, 21-19 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

डीसी की पहली जीत के बाद बोलीं लॉरा वोल्वार्ड्ट-जेमी को टीम से सर्वश्रेष्ठ निकालना आता है

एजेंसी

मुंबई। जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-मालिकाना वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने अभियान की पहली जीत दर्ज कर ली है। डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने यूपी वॉरियर्स को सात विकेट से हराकर सीजन के पहले अंक हासिल किए। 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की जीत में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अहम योगदान रहा। सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा और लिज़ेल ली ने मजबूत शुरुआत दी। शैफाली ने 32 गेंदों में 36 रन बनाए, जिसमें छह चौके शामिल रहे, जबकि लिज़ेल ली ने पारी को संभालते हुए 44 गेंदों में 67 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौके और तीन छक्के शामिल थे। मध्य ओवरों में कुछ विकेट गिरने के बाद मुकाबला रोमांचक हो गया, लेकिन लॉरा वोल्वार्ड्ट (नाबाद 25 रन, 24 गेंद) और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (21 रन, 14 गेंद) ने संयम दिखाते हुए टीम को जीत दिलाई। इससे पहले

दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट पर 154 रन पर रोक दिया। मारिज़ान कप ने 2 विकेट 24 रन देकर लिए, जबकि शैफाली वर्मा ने 2 विकेट 16 रन देकर बीच के ओवरों में रन गति पर अंकुश लगाया। मैच के बाद लॉरा वोल्वार्ड्ट ने आखिरी ओवरों के तनावपूर्ण क्षणों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'बहुत राहत महसूस हो रही है। तनाव जरूर था क्योंकि पिछले पिछले मैच जैसी ही थी। एक समय फिर से मैं और जेमी बल्लेबाजी कर रहे थे, तो कुछ पुरानी यादें ताजा हो गईं, लेकिन इस बार हम मैच खत्म करने में सफल रहे।' पिच की परिस्थितियों पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'यह विकेट काफी धीमी थी और गेंद रुककर आ रही थी, साथ ही टर्न भी ज्यादा था। पिछली पिच पर टर्न नहीं था और गेंद अच्छी तरह आ रही थी, इसलिए यह बिल्कुल अलग चुनौती थी। शायद हमें पहले थोड़ा और जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी, लेकिन अंत में हम लक्ष्य हासिल करने में सफल रहे।' लिज़ेल ली की तारीफ करते हुए वोल्वार्ड्ट ने कहा, 'वह शानदार रहीं हैं। मुझे उनके लिए बहुत खुशी है। वह ऑस्ट्रेलिया की फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए भी हमारी ओपनिंग साझेदारी अच्छी रही है, इसलिए उनके साथ फिर से बल्लेबाजी करना शानदार अनुभव है।' कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व की सराहना करते हुए वोल्वार्ड्ट ने कहा, 'जेमी बेहतरीन रही हैं। वह लोगों से जुड़ना जानती हैं और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकालने की कला उन्हें अच्छी तरह आती है। नए कप्तान के रूप में उन पर काफी जिम्मेदारी है, लेकिन उन्होंने इसे बहुत अच्छे से संभाला है और टीम के लिए प्रेरणास्रोत बनी हैं।' दिल्ली कैपिटल्स अब अपने अगले मुकाबले में शनिवार, 17 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी और इस जीत की लय को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुमाया समूह से जुड़ी संपत्तियों को जब्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुमाया समूह और उससे जुड़ी कंपनियों की 35.22 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को जब्त किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जांच के सिलसिले में यह कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच एजेंसी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने सुमाया समूह और उससे जुड़े एक मामले में 35.22 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच किये जाने की जानकारी दी। इन संपत्तियों में बैंक बैलेंस, डीमैट होल्डिंग्स और म्यूचुअल फंड जैसी चल संपत्तियां तथा दो अचल संपत्तियां हैं। ईडी ने यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 200 के तहत शुरू की थी, जो वर्ली पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गई। प्राथमिकी में सुमाया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, उसके प्रमोटर्स और अन्य व्यक्तियों एवं संस्थाओं पर आरोप है कि उन्होंने भविष्य की 'नीड टू फीड' योजना के तहत लाभ दिलाने का झूठा वादा कर लगभग 137 करोड़ रुपये का गबन किया है।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव पर सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवाल लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से बाजार हरे निशान में भी पहुंचा, लेकिन बिकवाली के दबाव ने बाजार को लाल निशान में गोता लगाने के लिए मजबूर कर दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और पीएसयू बैंक सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा ऑयल एंड गैस तथा कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी, आईटी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

सीआईआई ने हरित हाइड्रोजन के प्रोत्साहन के लिए खाका तैयार करने का सुझाव दिया

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से हरित हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नियम और प्रोत्साहन का खाका तैयार करने का अनुरोध किया है। हरित हाइड्रोजन ऐसा स्वच्छ ईंधन है, जो पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता और पारंपरिक हाइड्रोजन की जगह उद्योगों में इस्तेमाल किया जा सकता है। उद्योग मंडल ने सुझाव दिया है कि रिफाइनिंग, उर्वरक और गैस उत्पादन जैसे बड़े उद्योगों में हरित हाइड्रोजन को मिलाकर इस्तेमाल किया जाए। इसके लिए सरकार कार्बन क्रेडिट (उत्सर्जन घटाने पर लाभ), सब्सिडी और उत्पादन लागत कम करने जैसे उपायों के जरिये उद्योगों को मदद भी दे सकती है। इससे हरित हाइड्रोजन सस्ता होगा और ज्यादा उद्योग इसका इस्तेमाल कर पाएंगे। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि भारत ने पिछले साल स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में नया रिकॉर्ड बनाया, जब देश में गैर-जीवाश्म ऊर्जा की कुल क्षमता 266.78 गीगावाट तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि अब अगला कदम हरित हाइड्रोजन जैसी नई प्रौद्योगिकी को अपनाना है। उद्योग मंडल ने यह भी सुझाव दिया कि रेलवे, सड़क, आवास और पुल निर्माण जैसी सार्वजनिक ढांचागत परियोजनाओं में हरित हाइड्रोजन से तैयार 10-15 प्रतिशत इस्पात, अमोनिया एवं सीमेंट की खरीद को अनिवार्य किया जा सकता है। इससे मांग बढ़ेगी, कीमत कम होगी और निवेशकों को भरोसा मिलेगा।

आरबीआई ने बैंकों, एनबीएफसी में आंतरिक लोकपाल के लिए नियम जारी किए

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के भीतर ग्राहकों की शिकायतों के समाधान व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बैंकों और एनबीएफसी में आंतरिक लोकपाल की नियुक्ति और कामकाज के लिए दिशानिर्देश जारी किए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वाणिज्यिक बैंकों, लघु वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), गैर-बैंक प्रीपेड भुगतान उपकरण जारीकर्ताओं और क्रेडिट सूचना कंपनियों के लिए अलग-अलग निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने कहा कि ये निर्देश विनियमित संस्थाओं (बैंक, एनबीएफसी आदि) के भीतर आंतरिक शिकायत समाधान व्यवस्था को मजबूत करने और संस्थाओं के भीतर एक शीर्ष स्तर के प्राधिकरण द्वारा ग्राहकों की शिकायतों का तेजी से समाधान करने के लिए जारी किए गए हैं। आंतरिक लोकपाल (आईओ) या तो सेवानिवृत्त या सेवारत अधिकारी होना चाहिए, जिसका पद विनियमित संस्था में महाप्रबंधक के समकक्ष हो। उसके पास बैंकिंग, गैर-बैंकिंग वित्त, विनियमन, पर्यवेक्षण, भुगतान और निपटान प्रणाली, ऋण सूचना या उपभोक्ता संरक्षण जैसे क्षेत्रों में काम करने का कम से कम सात वर्षों का अनुभव होना चाहिए। आरबीआई ने कहा कि प्रत्येक विनियमित संस्था को कम से कम एक आंतरिक लोकपाल नियुक्त करना चाहिए।

निर्यात के लिए तैयार बड़े राज्यों में महाराष्ट्र, छोटे राज्यों में उत्तराखंड नंबर एक : नीति आयोग की रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के जारी निर्यात तैयारी सूचकांक - 2024 में महाराष्ट्र देश के बड़े राज्यों में निर्यात कारोबार के लिए सबसे अधिक तैयारियों वाला राज्य घोषित किया गया है। उसके बाद तमिलनाडु और गुजरात का स्थान है।छोटे राज्यों, नॉर्थ-ईस्ट और केंद्र शासित प्रदेश की श्रेणी में, उत्तराखंड रैंकिंग में सबसे ऊपर है। सूचकांक में बड़े राज्यों की श्रेणी में उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, पंजाब और तेलंगाना को भी 'लीडर्स' (तैयारी की दृष्टि से अग्रणी राज्य) के रूप में वर्गीकृत किया गया। यह वर्गीकरण निर्यात के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं के विकास, नीतिगत सहायता, औद्योगिक वातावरण और निर्यात कारोबार में प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए कहया गया है। सूचकांक में मध्य प्रदेश, हरियाणा, केरल और पश्चिम बंगाल को 'चैलेंजर' श्रेणी में रखा गया, जो इन राज्यों की निर्यात क्षमता में कुशलता में वृद्धि को का संकेत है, लेकिन इन राज्यों में लॉजिस्टिक्स, लागत और सूक्ष्म, लघु औ मझोली इकाइयों के बीच समन्वय की कमियां बनी हुई हैं। आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी.वी.आर. सुब्रमण्यम ने कहा कि वैश्विक माहौल बहुत ज्यादा अस्थिर बना हुआ है, लेकिन यह उन देशों के लिए नए अवसर भी प्रदान करता है जो खुद को ढालने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया बहुत मुश्किल दौर से गुजर रही है,' और कहा कि इस उथल-पुथल ने 'राष्ट्रों को आगे बढ़ने के अवसर दिए हैं। 'श्री सुब्रमण्यम ने निर्यात को आर्थिक वृद्धि का एक मुख्य चालक बताते हुए कहा कि भारत की लंबी अवधि की महत्वाकांक्षाओं के लिए यह क्षेत्र केंद्रीय महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि निर्यात भारत के 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य का एक प्रमुख स्तम्भ है, जिसमें विदेशी बाजार में माल और सेवाएं बेचने के कारोबार का योगदान 7500 अरब डॉलर रहने की उम्मीद है। यह तब के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक चौथाई होगा।

नीति आयोग के सीईओ ने कहा, 'इस प्रयास में राज्यों की एक बड़ी भूमिका है,' और कहा कि निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 इस बात पर स्पष्ट संकेत देता है कि राज्य अपने एक्सपोर्ट को कैसे बढ़ा सकते हैं, प्रतिस्पर्धात्मकता को मज़बूत कर सकते हैं और वैश्विक बाज़ारों के साथ ज़्यादा गहराई से जुड़ सकते हैं। नीति आयोग द्वारा कंसल्टेंसी कंपनी डेलॉइट के सहयोग से तैयार किया गया, ईपीआई-2024 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 2021-22 से 20-23-24 के दौरान निर्यात क्षेत्र की तैयारियों के आकलन पर आधारित है। जिसमें चार प्रमुख क्षेत्रों - नीति और शासन, निर्यात के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाओं की स्थिति, औद्योगिक और नवाचार का वातावरण, और निर्यात प्रदर्शन - में 70 संकेतकों का संगत उपयोग किया गया है। इसमें राज्यों को बड़े राज्यों और छोटे राज्यों, उत्तर-पूर्व और केंद्र शासित प्रदेशों में बांटा गया है।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई का बड़ा फैसला, अब दूसरे बैंक के एटीएम से पैसा निकालना हुआ और भी महंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने अपने करोड़ों ग्राहकों को बड़ा झटका देते हुए एटीएम ट्रांजेक्शन से जुड़े सर्विस चार्ज में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। बैंक के अनुसार, एटीएम और डिपॉजिट मशीनों (ADWM) पर लगने वाली इंटरचेंज फीस में वृद्धि होने के कारण यह कदम उठाना पड़ा है। अब नॉन-एसबीआई एटीएम (दूसरे बैंक के एटीएम) का इस्तेमाल करना पहले के मुकाबले महंगा हो जाएगा। यह नया नियम उन ग्राहकों को विशेष रूप से प्रभावित करेगा जो अपनी निर्धारित फ्री लिमिट खत्म होने के बाद भी अन्य बैंकों के एटीएम से कैश निकासी करते हैं। नए नियमों के तहत, सेविंग अकाउंट धारकों को महीने में मिलने वाली 5 फ्री ट्रांजेक्शन की सीमा पहले की तरह जारी रहेगी, लेकिन इसके बाद प्रति कैश निकासी पर अब 21 रुपये के बजाय 23 रुपये प्लस टैक्स देना होगा। सबसे बड़ा बदलाव सैलरी अकाउंट धारकों के लिए किया गया है; पहले उन्हें मिलने वाली 'अनलिमिटेड' फ्री ट्रांजेक्शन की सुविधा अब खत्म कर दी गई है। अब सैलरी अकाउंट वालों को महीने में केवल 10 फ्री ट्रांजेक्शन ही मिलेंगे, जिसके बाद उन्हें भी बढ़ा हुआ अतिरिक्त शुल्क चुकाना पड़ेगा। राहत की बात यह है कि बेसिक सेविंग बैंक डिपॉजिट (BSBD) अकाउंट रखने वाले ग्राहकों पर इस बढ़ोतरी का कोई असर नहीं पड़ेगा। साथ ही, यदि आप एसबीआई के डेबिट कार्ड से एसबीआई के ही एटीएम का उपयोग करते हैं, तो पुराने नियम और चार्ज ही लागू रहेंगे।

इंफोसिस का राजस्व 8.9 फीसदी बढ़ा, मुनाफा घटा

एजेंसी

बेंगलुरु। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस का शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 2.2 प्रतिशत घटकर 6,654 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने वित्तीय परिणामों के आंकड़े जारी करते हुए बताया कि इस दौरान उसका राजस्व सालाना आधार पर 8.9 प्रतिशत बढ़कर 45,479 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। राजस्व की तुलना में खर्च ज्यादा तेजी से बढ़ा। इसमें 12.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 32,652 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में उसे 55.9 प्रतिशत राजस्व उत्तरी अमेरिका से प्राप्त हुआ। यूरोप से 32.7 प्रतिशत और भारत से 2.8 प्रतिशत राजस्व मिला। दुनिया के अन्य हिस्सों से उसकी 8.6 प्रतिशत कमाई हुई। इंफोसिस के निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में

वित्तीय परिणामों के अलावा अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों को भी मंजूरी प्रदान की गयी। एक प्रस्ताव कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक सलिल पारेख को तीन करोड़ रुपये बाजार मूल्य के प्रतिबंधित शेयर आवंटित करने की मंजूरी दी गयी। यह आवंटन साल 2015 की स्टॉक प्रोत्साहन क्षतिपूर्ति योजना के तहत किया गया है जो 01 फरवरी से प्रभावी होगा। एक अन्य प्रस्ताव में योग्य कर्मचारियों को पांच रुपये अंकित मूल्य के 6,914 प्रतिबंधित शेयरों के आवंटन को मंजूरी दी गयी।

एल्जी इक्विपमेंट्स ने कोयंबटूर में खोली इटली की प्रौद्योगिकी पर आधारित वैक्यूम पंप असेंबली इकाई

एजेंसी

नई दिल्ली। अग्रणी कंप्रेसर निर्माताओं में शामिल एल्जी इक्विपमेंट्स लि. ने तमिलनाडु के कोयंबटूर में नई वैक्यूम पंप असेंबली लाइन का उद्घाटन किया जो इटली की एक कंपनी के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग पर आधारित वैक्यूम सॉल्यूशंस में रणनीतिक विस्तार की दिशा में कंपनी का एक बड़ा कदम बताया जा रहा है। कंपनी की एक विज्ञप्ति के मुताबिक उसकी कोयंबटूर में नयी असेंबली लाइन इटली की डी.वी.पी. वैक्यूम टेक्नोलॉजी के साथ प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौते के अनुसार शुरू की गयी है। यह समझौता कई वर्ष के लिए है। इसके तहत एल्जी भारत में डीवीपी के वैक्यूम प्रोडक्ट्स का विनिर्माण, असेंबली, टेस्टिंग और विपणन करेगी । बयान में कहा गया है कि वैक्यूम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में यह पहल एल्जी के इंडस्ट्रियल एयर और नयी पीढ़ी के वैक्यूम प्रौद्योगिकी समाधानों पेश करने की क्षमता को असेंबली लाइन भारत से विश्वस्तरीय औद्योगिक समाधान प्रस्तुत करने की एल्जी की यात्रा में

और मजबूत बनायेगी। डेमिंग प्राइज से सम्मानित एल्जी ने इस नई असेंबली लाइन को कंपनी ने अपनी ठोस गुणवत्ता नीति के अनुसार डिजाइन किया है। एल्जी इक्विपमेंट्स के प्रबंध निदेशक डॉ. जयराम वरदराज, ने कहा, 'यह वैक्यूम पंप एक महत्वपूर्ण कदम है। वैक्यूम टेक्नोलॉजी हमारे कंप्रेस्ड एयर बिज़नेस का स्वाभाविक विस्तार है और यह सुविधा दिखाती है कि हम हर नई प्रोडक्शन लाइन में डेमिंग-रिकग्नाइज़्ड टीक्यूएम प्रैक्टिसेस लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

वेदांता ने एक साल में दिया 56 प्रतिशत रिटर्न, बाजार पूंजीकरण 2.6 लाख करोड़ के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी वेदांता के शेयरों ने पिछले एक साल में 56 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया है और उसका बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड 2.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने एक नोट में बताया कि कमोडिटी की कीमतों में लगातार तेजी के कारण वेदांता के शेयर 38.60 रुपये यानी 6.06 प्रतिशत उछलकर 675.70 रुपये पर बंद हुए। इसके साथ ही कंपनी का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 2,64,225 करोड़ रुपये पहुंच गया। इस साल अब तक कंपनी के शेयर में करीब 12 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गयी है। पिछले एक साल में (13 जनवरी 2025 से 14 जनवरी 2026 तक) एनएसई पर वेदांता के शेयर ने 56 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है, जो प्रमुख बाजार सूचकांकों से कहीं बेहतर है। लाभांश सहित कुल रिटर्न करीब 60 प्रतिशत रहा। यह सेंसेक्स और निफ्टी-50 की तुलना में लगभग पांच गुना और निफ्टी धातु सूचकांक

से करीब डेढ़ गुना ज्यादा है। दिसंबर 2025 के अंत तक वेदांता देश की 23वीं सबसे अधिक नेटवर्थ वाली सूचीबद्ध कंपनी थी। इस सूची में बैंकिंग, वित्त और सरकारी कंपनियों को शामिल नहीं किया गया है।

एल्युमिनियम की कीमतों में आगे और बढ़त की उम्मीद, उत्पादन में बढ़ोतरी, लागत घटने की संभावना और कंपनी के कारोबारों को अलग करने से शेयरों में तेजी देखी जा रही है। इस बीच तांबे की कीमत भी पहली बार 13,000 डॉलर प्रति टन के पार पहुंच गयी है। उल्लेखनीय है कि 16 दिसंबर को एनसीएलटी की मुंबई बेंच ने वेदांता के कारोबारों के अलग करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। प्रस्ताव के मुताबिक, वेदांता पांच अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में बंटेगी। हर कंपनी का अपना अलग फोकस, प्रबंधन और पूंजी ढांचा होगा। कंपनी का कहना है कि इससे शेयरधारकों के लिए लंबी अवधि में बेहतर मूल्य सृजन होगा। वेदांता की इकाई हिंदुस्तान जिंक को भी चांदी की कीमतों में आयी तेजी का फायदा मिला है। उसका बाजार पूंजीकरण 14 जनवरी तक 2.81 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया। पिछले एक साल में हिंदुस्तान जिंक के शेयर ने करीब 52 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। दिसंबर में ग्लोबल रिसर्च फर्म जेफरीज ने कंपनी पर कवरेज शुरू करते हुए इसे दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक और शीर्ष पांच सिल्वर उत्पादकों में से एक बताया है।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर भारत के लिए अच्छी खबर है। विश्व बैंक ने मजबूत घरेलू मांग और कर सुधारों के दम पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। यह उसके जून के अनुमान से 0.9 फीसदी ज्यादा है। विश्व बैंक ने जारी अपनी प्रमुख रिपोर्ट 'वैश्विक आर्थिक संभावनाएं' में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा कि अगामी वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी होकर 6.5 फीसदी रह सकती है।

विश्व बैंक जीडीपी का ये अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि अमेरिका का 50 फीसदी आयात शुल्क इस दौरान लागू रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, 'इसके बावजूद उम्मीद है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि दर बनाए रखेगा।'' इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया, 'वित्त वर्ष 2027-28 में वृद्धि दर बढ़कर 6.6 फीसदी होने की उम्मीद है, जिसे मजबूत सेवा गतिविधियों के साथ ही निर्यात में सुधार और निवेश में तेजी से समर्थन मिलेगा। 'कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

किआ इंडिया का एविस लीजिंग के साथ करार

एजेंसी

नई दिल्ली। किआ इंडिया ने लीज और सब्सक्रिप्शन पर कार देने जैसी सेवाओं के लिए एविस लीजिंग के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। कंपनी ने बताया कि यह साझेदारी किआ लीज प्रोग्राम के तहत की गई है और एविस लीजिंग के साथ उसकी तीसरी बड़ी साझेदारी है।

इस साझेदारी के जरिये किआ उन ग्राहकों तक अपनी पहुंच बढ़ाना चाहती है, जो गाड़ी खरीदने की बजाय लीज या सब्सक्रिप्शन जैसे विकल्पों को प्राथमिकता देते हैं।

किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) अतुल सूद ने कहा, 'हम मानते हैं कि भारत में लीज और सब्सक्रिप्शन मॉडल ऑटो उद्योग के लिए एक अहम विकास का अवसर बनकर उभर रहा है। एविस लीजिंग के साथ हमारी साझेदारी किआ लीज को एक मजबूत और

विस्तार योग्य प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करेगा और पारंपरिक वाहन खरीद से आगे नये अवसर पैदा करेगा। ऐसे सहयोगों के माध्यम से हम देश में अपने दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के अनुरूप एक मजबूत और टिकाऊ मोबिलिटी कारोबार तैयार करना चाहते हैं।' किआ लीज प्रोग्राम खास तौर पर उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है, जिन्हें लंबे समय तक वाहन की आवश्यकता होती है। इसमें 36 से 60 महीनों की लीज अवधि और अलग-अलग माइलेज विकल्प उपलब्ध हैं। ग्राहक बिना किसी शुरुआती डाउन पेमेंट के वाहन लीज पर ले सकते हैं, जिससे उन्हें अधिक सुविधा और बेहतर वैल्यू मिलती है। इस लीज प्लान में रखरखाव, बीमा नवीनीकरण और री-सेल से जुड़ी सेवाएं भी शामिल हैं। इससे ग्राहकों को बिना किसी परेशानी के वाहन उपयोग का अनुभव मिलता है। लीज अवधि पूरी होने पर ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार वाहन वापस कर सकते हैं या नया किआ मॉडल लेने का विकल्प भी चुन सकते हैं। किआ इंडिया ने साल 2024 में लीज प्रोग्राम की शुरुआत की थी। किआ इंडिया इससे पहले ऑरिक्स इंडिया और अवकेश इंडिया (जो एएलडी ऑटोमोटिव और लीज़प्लान का संयुक्त उपक्रम है) के साथ भी समझौता कर चुकी है।

थोक मुद्रास्फीति की दर दिसंबर में बढ़कर 0.83 प्रतिशत

एजेंसी

नई दिल्ली। विनिर्मित उत्पादों के दाम बढ़ने से दिसंबर 2025 में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर बढ़कर 0.83 प्रतिशत पर पहुंच गयी।सितंबर 2025 के बाद तीन महीने में पहली बार थोक महंगाई की दर शून्य से ऊपर रही है। इससे पहले नवंबर में यह शून्य से 0.32 प्रतिशत नीचे थी। वहीं दिसंबर 2024 में यह 2.57 प्रतिशत रही थी।

खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर गत दिसंबर में शून्य रही। यह नवंबर में शून्य से 2.6 प्रतिशत नीचे रही थी। दिसंबर में सालाना आधार पर आलू, प्याज और दालों की कीमतों में भारी गिरावट देखी गयी। प्याज 54.4 प्रतिशत, आलू 38.21 प्रतिशत और दालें 13.88 प्रतिशत सस्ती हुईं। सब्जियों के दाम भी 3.5 प्रतिशत घटे। वहीं, दूध के दाम 3.23 फीसदी और अंडे, मांस और मछलियों के 1.14 प्रतिशत बढ़े। विनिर्मित खाद्य पदार्थों के दाम भी 0.90 प्रतिशत बढ़ गये। तिलहनों के

दाम में 14.82 प्रतिशत और खनिजों में 11.86 प्रतिशत का बड़ा उछाल देखा गया। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की श्रेणी में महंगाई दर शून्य से 5.99 प्रतिशत नीचे दर्ज की गयी। इसमें मुख्य रूप से कच्चा तेल 10 प्रतिशत सस्ता हुआ।

ईंधन एवं बिजली वर्ग में रसोई गैस एक साल पहले के मुकाबले 14 प्रतिशत, पेट्रोल 1.88 प्रतिशत और डीजल 2.07 प्रतिशत सस्ता हुआ। इससे पहले, 12 जनवरी को जारी आंकड़ों में दिसंबर 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति की दर 1.33 प्रतिशत पर नरम बनी रही।

आईओबी का तीसरी तिमाही में मुनाफा 56 फीसदी बढ़कर 1,365 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में आईओबी का शुद्ध लाभ 56.2 फीसदी बढ़कर 1,365 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बैंक ने 874 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। इंडियन ओवरसीज बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तीसरी तिमाही के दौरान उसकी कुल आय पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि के 8,409 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,672 करोड़ रुपये हो गई। बैंक का परिचालन लाभ दिसंबर 2024 तिमाही के 2,266 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,603 करोड़ रुपये हो गया। आईओबी के मुताबिक ब्याज आय 7,112 करोड़ रुपये से बढ़कर 8,172 करोड़ रुपये हो गई। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 18 फीसदी बढ़कर 3,299 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 2,789 करोड़ रुपये थी। साथ ही संपत्ति की गुणवत्ता के मोर्चे पर बैंक की सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) दिसंबर 2025 के अंत तक घटकर कुल ऋण का 1.54 फीसदी रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 2.55 फीसदी थी।

अमेरिका को पीछे छोड़ इस वर्ष दूसरा सबसे बड़ा सोलर बाजार बन जाएगा भारतः रिपोर्ट

एजेंसी

मुंबई। भारत का सौर ऊर्जा क्षमता निर्माण बाजार 2026 में छह प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा सोलर बाजार बन जाएगा। वैश्विक जिंस बाजार अनुसंधान फर्म ब्लूमबर्गएनईएफ (बीएनईएफ) की जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी । रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की सौर ऊर्जा क्षमता निर्माण की वर्तमान गति से 2030 तक पांच लाख मेगावाट की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य लगता है लेकिन 2024 में नीलाम कई परियोजनाओं को अब भी बिजली के खरीदारों का इंतजार है जो लक्ष्य की राह में एक जोखिम है। इसमें सौर ऊर्जा मॉड्यूल की उत्पादन क्षमता घरेलू मांग से अधिक हो चुकी है। इसके साथ ही इनके निर्माण में कुछ कच्चे माल और हिस्से पुर्जों के लिए आयात निर्भरता बनी हुई है।बीएनईएफ की ओर से मीडिया को उपलब्ध करायी गयी इस रिपोर्ट के सारांश में कहा गया है कि इस वर्ष चीन की धीमी गति पड़ेगी और इससे पहली बार वैश्विक सोलर निर्माण में कुल मिला कर कमी होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी सौर निर्माण बाजार में तेज गिरावट दिख रही है और 2026 में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोलर बाजार बनने के लिए तैयार है। अमेरिका में गिरावट के बीच सौर ऊर्जा इंस्टॉलेशन (स्थापना) में नाम मात्र की वृद्धि जारी है। बीएनईएफ के अनुमान के अनुसार भारत में सौर बिजली क्षमता निर्माण छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ 50,000 मेगावाट से थोड़ा अधिक रहेगा। देश में अधिकांश नयी क्षमता बड़ी परियोजनाओं के माध्यम बनेगी। इसके अलावा सरकारी सब्सिडी से आवासीय रूफटॉप सौर प्रणाली को बढ़ावा मिल रहा है। अमेरिका में जनकल्याण योजनाओं पर सब्सिडी की कटौती वाले 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट'के कारण इस साल वहां सौर बिजली स्थापना में 14 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। इस विधेयक के अंतर्गत अमेरिका में नये वर्ष में शुरू होने वाली परियोजनाओं को कम लाभ के लिए विदेशी संस्था से संबंधित नियमों का पालन करना होगा, जिससे परियोजना विकास करने वाली कंपनियों के लिए एक और बाधा पैदा होगी। इससे अमेरिका सौर ऊर्जा क्षमता निर्माण में भारत से पीछे आ जाएगा जबकि वह 2019 से लगातार दूसरे स्थान पर था। चीन वार्षिक वृद्धि में अपेक्षित गिरावट के बावजूद, काफी बड़े अंतर से दुनिया का सबसे बड़ा सोलर बाजार बना हुआ है। बीएनईएफ का अनुमान है कि चीन में 2026 में 3,21,000 मेगावाट की नयी स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता होगी। यह पिछले साल से 14 प्रतिशत कम है। भारत में पिछले वर्ष नवंबर में समाप्त पहले 11 महीनों में भारत में 35,000 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की गयी जो एक रिकार्ड है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में नई सौर क्षमता निर्माण की यह रफ्तार 2030 तक 5,00,000 मेगावाट खनिज ईंधनों से मुक्त बिजली उत्पादन क्षमता स्थापित करने के लक्ष्य को साध्य बना रही है। अडानी ग्रीन एनर्जी, एनटीपीसी, रीन्यू, अवाडा और टाटा पावर देश की शीर्ष सौर ऊर्जा उत्पाक कंपनियों में हैं और देश में बिजली के विभिन्न स्रोतों में सौर पैनल वाली ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी से इन कंपनियों को फायदा होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की नीलामी कार्यक्रम इस क्षेत्र की तीव्र वृद्धि को मजबूत आधार दे रहा है। रिपोर्ट में जोखिमों का भी उल्लेख किया गया है और कहा गया है कि भारत ने 2024 में रिकॉर्ड 60,000 मेगावाट की नवीकरणीय क्षमताओं वाली परियोजनाएं नीलाम कीं। इनमें से 42,000 मेगावाट की परियोजनाएं बिजली खरीद के पक्के अनुबंधों की प्रतीक्षा में हैं।इनका भविष्य इन प्रस्तावित अनुबंधों पर टिका है। इसमें 2030 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षमता के समग्र लक्ष्य को पूरा करने में जोखिम भी छुपा है।

बीएनईएफ के अनुसार भारत सरकार फोटोवोल्टिक (पीवी सेल्स) सप्लाई चेन में स्थानीय मूल्यवर्धन को प्रोत्साहित कर रही है। परियोजनाओं में उन्हीं पीवी मॉड्यूल्स का इस्तेमाल करने की शर्त जोड़ी जाती है जो सरकार द्वारा स्वीकृत मॉडलों विनिर्माताओं की सूची (एएलएमएम) में हैं। इससे आयात में बाधा हुई है तथा घरेलू विनिर्माण में निवेश तेज हुआ है। वारी एनर्जीज, विक्रम सोलर और प्रीमियर एनर्जीज जैसे प्रमुख सोलर विनिर्माता पिछले दो सालों में सामने आए हैं।

राजतंत्र समर्थक प्रदर्शन के लिए 50 लाख लोगों को संदेश भेजने वाला युवक गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। राजतंत्र के समर्थन में प्रदर्शन में शामिल होने के लिए अनधिकृत रूप से 50 लाख लोगों को एक साथ संदेश भेजने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एसपी काजी कुमार आचार्य के अनुसार काठमांडू अपराध अनुसंधान कार्यालय की टीम ने चितवन निवासी निर्देश सेढाई को हातीसार क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। वाहन व्यवसाय से जुड़े 34 वर्षीय सेढाई ने नेपाल टेलिकम के गेटवे का उपयोग कर 'एटी अलर्ट' प्रणाली के माध्यम से 50 लाख एसएमएस भेजे थे। एसपी आचार्य के अनुसार सेढाई ने स्वयं 50 लाख लोगों को संदेश भेजने की बात स्वीकार की है। एसपी आचार्य ने बताया कि उकसाने के आरोप में उनके खिलाफ सार्वजनिक हित के विरुद्ध अपराध के तहत जांच की जाएगी। नेपाल टेलिकम ने भी आज एक बयान में कहा कि वह केवल व्यापार-व्यवसाय प्रवर्द्धन के उद्देश्य से ही एसएमएस प्रसारण की अनुमति देता है। कुछ दिन पहले व्यक्तिगत स्तर पर प्रदर्शन के लिए अनधिकृत संदेश आने पर गोपनीयता भंग होने का आरोप लगाते हुए नेपाल टेलिकम की आलोचना की जा रही थी।

थाईलैंड में क्रेन-ट्रेन दुर्घटना में अब तक 31 मरे

एजेंसी

बैंकॉक। थाईलैंड के नखोन रतचसिमा में क्रेन से टक्कर के बाद रेलगाड़ी के पटरी से उतरने की दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गयी है, जबकि 67 लोग घायल हुए हैं। यह ट्रेन बैंकॉक से उबोन रतचथानी प्रांत जा रही थी। अधिकारियों ने दुर्घटना के कुछ घंटों बाद बताया कि बुधवार सुबह तेज़-रफ्तार ट्रेन के लिये बनाये जा रहे पुल के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली एक क्रेन ट्रेन के ऊपर आ गिरी। नखोन रतचसिमा के गवर्नर चायवात च्यूनकोसुम ने यहां मीडिया से कहा कि इस दुर्घटना का मलबा पटरी से हटाने में और उसे फिर से चालू करने में थाईलैंड रेलवे को सात दिन तक का समय लग सकता है। घटना के कारण की जांच हो रही है।

थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री और परिवहन मंत्री फिफत रतचकितप्रकर्ण ने इससे पहले संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने एजेंसियों को दुर्घटना के कारण का पता लगाने और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिये मामले की पारदर्शी और विस्तृत जांच करने के लिये कहा है।

थाईलैंड की स्थानीय मीडिया के अनुसार, रेलवे के इस हिस्से के निर्माण के लिये जिम्मेदार मुख्य कॉन्ट्रैक्टर एक इटालवी-थाई कंपनी है। कंपनी ने दुर्घटना पर बयान जारी करते हुए कहा है कि वह मुआवज़े और इलाज से जुड़े हर खर्चे की जिम्मेदारी लेगी।

यह घटना सुबह 9.05 बजे हुई जब बैंकॉक-उबोन रत्चाथानी एक्सप्रेस ट्रेन बैंकॉक से लगभग 230 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में सिखिउ जिले के बान थानोन कोड से गुज़र रही थी। बताया जा रहा है कि ट्रेन में 195 यात्री और क्रू मेंबर थे और यह 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। थाईलैंड स्टेट रेलवे के अनुसार, क्रेन ट्रेन के दो डिब्बों पर गिर गयी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एक हाई-स्पीड रेल लाइन के लिए कंक्रीट गर्डर उठाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली क्रेन के गिरने से डिब्बे पटरी से उतर गए और उनमें आग लग गयी।

शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, क्रेन सबसे पहले दूसरे डिब्बे पर गिरी, जिसमें 40 यात्री सवार थे। एयर-कंडीशन्ड ट्रेन में इलेक्ट्रिक ऑटोमैटिक दरवाज़े और खिड़कियां थीं जिन्हें हाथ से नहीं खोला जा सकता था। इसी वजह से आग लगने के बाद लोगों के लिये बचना मुश्किल हो गया। बचाव दल ने फंसे हुए यात्रियों को मलबे से निकालने के लिए हाइड्रोलिक कटर का इस्तेमाल किया और उन्हें सिखिउ, सुंग नोएन और महारत नाखोन रत्चासिमा अस्पतालों में पहुंचाया। बचाव दल का मानना था कि मलबे में अभी भी लगभग पांच और यात्री फंसे हुए हैं। सिखिउ अस्पताल में एक वॉर रूम बनाया गया है, जहां ज़्यादातर घायलों का इलाज चल रहा था। यात्रियों को वैकल्पिक रास्तों में मदद करने के लिए घटनास्थल पर एक आपातकालीन केंद्र भी बनाया गया।

इस बीच, थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने पत्रकारों से कहा कि परियोजना पर्यवेक्षकों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने बैंकॉक में कहा, 'इस तरह की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं।'

'मैंने सुना है कि यह वही कंपनी है (जो पिछले हादसों में भी शामिल थी)। अब समय आ गया है कि ऐसे कंस्ट्रक्शन कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने के लिए कानून बदला जाए जो बार-बार हादसों के लिए जिम्मेदार होती हैं।'

अमेरिका ने 75 देशों के लिए इमिग्रेंट वीज़ा प्रक्रिया पर लगाई रोक

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी प्रशासन ने 75 देशों के नागरिकों के लिए इमिग्रेंट वीजा (स्थायी निवास) की प्रक्रिया को अनिश्चितकाल के लिए रोकने का आदेश दिया है। इस निर्णय के पीछे मुख्य कारण यह बताया गया है कि कुछ आवेदक 'पब्लिक चार्ज' बन सकते हैं और अमेरिकी कल्याण योजनाओं का लाभ उठाकर देश पर बोझ डाल सकते हैं। यह फैसला 21 जनवरी से प्रभावी होगा। अमेरिकी कांसुलर अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे वीजा प्रक्रिया को तब तक स्थगित रखें जब तक कि विभाग वर्तमान आव्रजन कानून के तहत स्क्रीनिंग और वेरिफिकेशन प्रक्रिया का पुनर्मूल्यांकन नहीं कर लेता। स्टेट डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल डिप्टी प्रवक्ता टोमी पिगॉट ने कहा, 'अमेरिका की आव्रजन प्रणाली का दुरुपयोग रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। जो लोग अमेरिकी जनता की उदारता का लाभ उठाकर कल्याण योजनाओं पर निर्भर होंगे, उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।' सूत्रों के अनुसार, इस निर्णय से अफ्रीका, एशिया, मध्य पूर्व, कैरेबियन, यूरोप और लैटिन अमेरिका के देशों पर असर पड़ेगा। जिन देशों के वीजा प्रभावित होंगे, उनमें सोमालिया, रूस, ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नाइजीरिया, मिस्र, थाईलैंड और ब्राज़ील शामिल हैं। स्टेट डिपार्टमेंट ने कहा कि इस रोक के दौरान केवल बहुत सीमित अपवाद ही मान्य होंगे और उन्हें केवल तब विचार किया जाएगा जब आवेदक पब्लिक चार्ज से संबंधित सभी शंकाओं को दूर कर लें। इमिग्रेंट वीजा परिवार-आधारित ग्रीन कार्ड, रोजगार-आधारित श्रेणियों और मानवीय सुरक्षा से संबंधित होती हैं।

कतर स्थित अल उदैद एयरबेस से कर्मियों की वापसी शुरू, मिडिल ईस्ट में बढ़ी भारी हलचल

कतर। कतर ने तनाव के बीच अल उदैद एयरबेस से अमेरिकी कर्मियों की वापसी की पुष्टि की है। ईरान ने अमेरिकी हस्तक्षेप पर जवाबी कार्रवाई और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की धमकी दी है। मध्य पूर्व में गहराते संकट और ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच कतर ने एक महत्वपूर्ण रक्षात्मक कदम उठाया है। कतर सरकार के इंटरनेशनल मीडिया ऑफिस ने आधिकारिक पुष्टि की है कि सुरक्षा कारणों से अल उदैद एयरबेस से कुछ कर्मियों की वापसी की जा रही है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में जारी अशांति पर कड़े हस्तक्षेप की चेतावनी दी है। क्षेत्रीय तनाव की स्थिति को देखते हुए यह कदम एहतियाती बताया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित सैन्य टकराव की स्थिति में कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कतर स्थित अल उदैद एयरबेस मध्य पूर्व में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य केंद्र है, जहां लगभग 10,000 अमेरिकी सैनिक तैनात रहते हैं। रॉयटर्स और स्थानीय मीडिया के अनुसार, मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए बुधवार शाम तक कुछ कर्मियों को बेस छोड़ने की सलाह दी गई थी। कतर के इंटरनेशनल मीडिया ऑफिस (ढ्ढरूह्र) ने स्पष्ट किया कि यह कदम पूरी तरह से 'क्षेत्रीय तनाव के जवाब में' उठाया गया है।

ब्रिटेन ने अपने नागरिकों को इजरायल की यात्रा नहीं करने की दी हिदायत

लंदन। ब्रिटेन ने अपने नागरिकों को इज़रायल की यात्रा नहीं करने की सहाल दी है। ब्रिटिश सरकार 'बहुत ज़रूरी यात्र' को छोड़कर सभी यात्राओं को लेकर चेतावनी जारी की। सरकार ने इसके पीछे क्षेत्र में बढ़ते तनाव का हवाला दिया है, जिससे यात्रा में रुकावट और दूसरे अप्रत्याशित असर हो सकते हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी यात्रा दिशानिर्देश में कहा गया है कि बिगड़ता सुरक्षा माहौल यात्रियों के लिए जोखिम बढ़ा रहा है और क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में सावधानी बरतने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दिशानिर्देश इज़रायल और फिलिस्तीनी क्षेत्रों दोनों पर लागू होगी और इसकी लगातार समीक्षा की जा रही है।

जापान के प्रधानमंत्री 19 जनवरी को मध्यावधि चुनाव के लिए निचले सदन को भंग करने की योजना का विवरण देंगी

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची संभवतः 19 जनवरी को निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) को भंग कर मध्यावधि चुनाव कराने की अपनी योजना का विस्तृत विवरण देंगी। सत्तारूढ़ दलों के वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई बैठक के बाद यह जानकारी दी गई। जापान इनोवेशन पार्टी के प्रमुख हिरोफुमी योशिमुरा, जो सुश्री ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीएफ) की गठबंधन सहयोगी है, ने पत्रकारों को बताया कि प्रधानमंत्री ने सत्तारूढ़ गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं को सूचित किया है कि वे इस वर्ष के नियमित संसदीय सत्र के शुरुआती चरण में निचले सदन को भंग कर मध्यावधि चुनाव कराने का इरादा रखती हैं। यदि 23 जनवरी को सत्र शुरू होने के तुरंत बाद निचला सदन भंग किया जाता है, तो मध्यावधि चुनाव के लिए दो संभावित कार्यक्रम हो सकते हैं। पहले विकल्प में 27 जनवरी से आधिकारिक चुनाव प्रचार शुरू होकर 8 फरवरी को मतदान होगा। दूसरे विकल्प में 3 फरवरी से प्रचार शुरू होकर 15 फरवरी को मतदान कराया जाएगा। यह मध्यावधि चुनाव पिछले चुनाव के डेढ़ वर्ष से भी कम समय में आयोजित किया जाएगा।

डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने आर्कटिक में बढ़ाई सैन्य मौजूदगी, नाटो सहयोगियों के साथ अभ्यास शुरू

एजेंसी

कोपेनहेगन/नुक(ग्रीनलैंड)। डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने आर्कटिक क्षेत्र में अपनी सैन्य सक्रियता को और तेज कर दिया है। ग्रीनलैंड सरकार ने पुष्टि की है कि डेनिश सेना और नाटो के अन्य सहयोगी देशों के साथ मिलकर ग्रीनलैंड के भीतर और आसपास सैन्य अभ्यास किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है। ग्रीनलैंड सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी बयान में कहा गया कि इन अभ्यासों का मकसद आर्कटिक की विशिष्ट और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सैन्य कौशल का विकास करना और क्षेत्र में ऐसी उपस्थिति सुनिश्चित करना है, जो यूरोप और अटलांटिक की समग्र सुरक्षा में योगदान दे।

इस सैन्य तैनाती को लेकर दिन में पहले ही अटकलें तेज हो गई थीं, जब डेनमार्क के मीडिया में खबरें सामने आईं कि ग्रीनलैंड में सैनिकों की आवाजाही बढ़ी है। रिपोर्टों के अनुसार, एक अग्रिम सैन्य कमान की तैनाती भी की गई है, जिसे व्यापक

सैन्य उपस्थिति की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम केवल सैन्य अभ्यास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका राजनीतिक और रणनीतिक संदेश भी है। यह पहल ऐसे समय पर की गई है, जब वाशिंगटन में अमेरिका के साथ अहम वार्ताएं होने वाली हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और चीन से कथित खतरे को लेकर बयानबाजी तेज हुई है।

डेनमार्क, ग्रीनलैंड और यूरोपीय नाटो सहयोगी देशों का यह कदम इस बात का संकेत माना जा रहा है कि वे आर्कटिक क्षेत्र में किसी भी संभावित सुरक्षा चुनौती का सामूहिक रूप से जवाब देने के लिए तैयार हैं। साथ ही, क्षेत्र में अपनी संप्रभुता तथा रणनीतिक हितों की रक्षा को लेकर गंभीर हैं।

नेपाली कांग्रेस विशेष महाधिवेशन से केंद्रीय कार्यसमिति की घोषणा

एजेंसी

काठमांडू। संक्रांति के दिन का इंतजार करते हुए नेपाली कांग्रेस के

विशेष महाधिवेशन समर्थक गुट ने नई केंद्रीय कार्यसमिति की घोषणा की। भृकुटी मंडप में विशेष महाधिवेशन के बंद सत्र के दौरान उद्घोषिका ने ठीक रात 12 बजते ही कहा, 'हम नए दिन का इंतजार कर रहे थे इसलिए थोड़ी देर की।' करीब सवा 11 बजे के बाद सभापति गगन थापा सहित पदाधिकारी और केंद्रीय सदस्यों के नाम मंच से पढ़े गए। नाम पढ़ने के साथ-साथ राजनीतिक भाषण भी चलते रहे, जिससे पूरी प्रक्रिया में लगभग दो घंटे लगे। इसी दौरान विशेष महाधिवेशन से नई केंद्रीय कार्यसमिति का चयन किया गया। देउवा पक्ष की असहमति के बावजूद आयोजित इस महाधिवेशन में सहमति की अंतिम कोशिशें विफल होने के बाद समिति की घोषणा की गई।

महाधिवेशन से गगन थापा को सभापति चुना गया है।

उपसभापतिः विश्वप्रकाश शर्मा और पुष्पा भुसाल

महामंत्रीः प्रदीप पौडेल और गुरुराज घिमिरे

सह-महामंत्रीः

महिला - डिला संग्रौला

दलित - प्रकाश रसाइली

आदिवासी - बहादुरसिंह लामा

खस-आर्य - उदय शम्शेर जबरा

मधेशी - मुक्ताकुमारी यादव

मुस्लिम - फरमुल्लाह मन्सुर

थारू - योगेन्द्र चौधरी

नेतृत्व संकट के बीच नेपाली कांग्रेस में टूट, गगन थापा बने अलग गुट के अध्यक्ष

एजेंसी

काठमांडू। नेतृत्व परिवर्तन और संगठनात्मक सुधार को लेकर लंबे समय से जारी खींचतान के बाद नेपाल की प्रमुख राजनीतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस आखिरकार विभाजन के दौर में पहुंच गई है। पार्टी अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा के नेतृत्व वाले गुट ने महामंत्री गगन थापा, विश्वप्रकाश शर्मा और सह-महामंत्री फरमुल्लाह मंसूर के खिलाफ पांच वर्षों के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की घोषणा कर दी है। इसी बीच, देउवा नेतृत्व के विरोध में आयोजित विशेष महाधिवेशन ने गगन थापा को पार्टी अध्यक्ष के रूप में चुन लिया है। हालांकि, इस निर्णय की औपचारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन इससे कांग्रेस के भीतर गहराते मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। विशेष महाधिवेशन के समर्थक नेताओं का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में देउवा के नेतृत्व में पार्टी को चुनावी मैदान में ले जाना संभव नहीं है। वे

लंबे समय से नेतृत्व परिवर्तन की मांग कर रहे थे, लेकिन पार्टी अध्यक्ष के पद छोड़ने से लगातार इनकार के चलते अंततः संगठन दो हिस्सों में बंट गया। पार्टी के भीतर सुधार की मांग करने वाले और यथास्थिति बनाए रखने के पक्षधर गुटों के बीच चला आ रहा संघर्ष अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। कांग्रेस की केंद्रीय समिति ने गगन थापा सहित अन्य नेताओं पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की है। अनुशासनात्मक कार्रवाई की घोषणा के बाद गगन थापा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि नेपाली कांग्रेस किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह वह पार्टी है जिसने देश के राजनीतिक इतिहास को दिशा दी है और बड़े आंदोलनों का नेतृत्व किया है।' देउवा पक्ष का तर्क रहा है कि चुनाव की तैयारी के बीच विशेष महाधिवेशन कराना व्यावहारिक नहीं है। इसी आधार पर केंद्रीय कार्यसमिति ने नियमित महाधिवेशन के लिए बैशाख के अंतिम सप्ताह की तिथि भी तय कर दी थी। हालांकि, पार्टी के 54 प्रतिशत महाधिवेशन प्रतिनिधि पहले ही विशेष महाधिवेशन की मांग कर चुके थे, जिससे विवाद और गहरा गया। नियमित महाधिवेशन की तारीख घोषित होने के बाद संस्थापन पक्ष ने विशेष महाधिवेशन को असंभव बताते हुए अपना रुख और सख्त कर लिया। वहीं, विशेष महाधिवेशन समर्थकों का कहना था कि पार्टी के विधान में इस तरह के अधिवेशन का स्पष्ट प्रावधान है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

रवि लामिछाने के खिलाफ वापस होंगे संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के महान्यायाधिवक्ता कार्यालय ने पूर्व उपप्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री रवि लामिछाने के खिलाफ विभिन्न जिला अदालतों में चल रहे संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों को वापस लेने के लिए संबंधित सरकारी वकीलों को स्वीकृति प्रदान कर दी है। महान्यायाधिवक्ता कार्यालय के इस निर्णय के साथ ही कास्की, रुपन्देही, काठमांडू और पर्सा जिलों के सरकारी वकील कार्यालय संगठित अपराध और धनशोधन से जुड़े अभियोग वापस लेंगे। महान्यायाधिवक्ता सविता भंडारी बराल ने बताया कि सहकारी ठगी का मामला यथावत रहेगा। केवल संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े आरोप हटाने के उद्देश्य से आरोपपत्र संशोधन की स्वीकृति दी गई है। इसे पूरे मामले की वापसी के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने चारों जिला अदालतों में चल रहे अभियोगपत्रों में संशोधन की अनुमति देने का निर्णय लिया था। इस निर्णय के बाद कास्की जिला अदालत में चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग और संगठित अपराध के मामले वापस होंगे। इसी तरह रुपन्देही, काठमांडू और पर्सा में चल रहे संगठित अपराध के मामले भी वापस लिए जाएंगे।

आईएनएसवी कौंडिन्य 17 दिन की ऐतिहासिक यात्रा के बाद मस्कट पहुंचा

एजेंसी

मस्कट/नई दिल्ली। भारत और ओमान के बीच 5,000 साल पुराने समुद्री और सांस्कृतिक संबंधों को जीवंत करते हुए भारतीय नौसेना का विशेष पाल पोत 'आईएनएसवी कौंडिन्य' ओमान के सुल्तान कबूस बंदरगाह पहुंच गया।पांचवीं शताब्दी की प्राचीन तकनीक से निर्मित इस जहाज ने गुजरात के पोरबंदर से अपनी 1,400 किलोमीटर की ऐतिहासिक पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। यह पोत पोरबंदर से 29 दिसंबर को रवाना हुआ था। इसके चालक दल का मस्कट पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।भारत के केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बंदरगाह पर यात्रियों की अगवानी की। इस अवसर पर ओमान के विरासत एवं पर्यटन मंत्रालय के अवरसचिव अज़ान अल बुसैदी सहित भारतीय नौसेना, ओमान शाही नौसेना और ओमान शाही पुलिस तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मस्कट में जहाज का स्वागत 'वॉटर सैल्यूट' के साथ किया गया। इस दौरान भारत एवं ओमान के पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी।यह अभियान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना पर आधारित इस परियोजना को भारतीय नौसेना ने पुरातत्वविदों और पारंपरिक जहाज निर्माताओं के सहयोग से साकार किया है। आईएनएसवी कौंडिन्य पांचवीं शताब्दी ईस्वी के उस जहाज पर आधारित है जिसे अजंता की गुफाओं के चित्रों में दर्शाया गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी 'स्टिच्ड-प्लैंक' निर्माण विधि है। इसमें लकड़ी के तख्तों को बिना किसी कील के केवल नारियल के रेशों और प्राकृतिक चीजों से बांधा गया है। केरल के कुशल कारीगरों ने बाबू शंकरन के नेतृत्व में इस लुप्तप्राय परंपरा को पुनर्जीवित किया है। फरवरी 2025 में गोवा में जलावतरण के बाद मई 2025 में इसे आधिकारिक रूप से नौसेना में शामिल किया गया था। इस परियोजना में भारतीय नौसेना ने केंद्रीय भूमिका निभाई। डिज़ाइन और तकनीकी सत्यापन से लेकर निर्माण प्रक्रिया की निगरानी तक का काम नौसेना ने किया। ऐसे प्राचीन जहाज़ों के कोई ब्लूप्रिंट उपलब्ध न होने के कारण इसका निर्माण मूर्तिकला और चित्रात्मक स्रोतों के आधार पर करना पड़ा। इस जहाज का नाम पहली सदी के महान भारतीय नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है, जो हिंद महासागर पार कर मेकांग डेल्टा तक गए थे। भारतीय नौसेना के पालपोत के रूप में शामिल किए जाने के बाद कौंडिन्य को 29 दिसंबर को गुजरात से ओमान रवाना किया गया था। इस पोत में कई सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण विशेषताएं सम्मिलित हैं। यह पोत भारत की दीर्घकालीन समुद्री अन्वेषण, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की परंपराओं का सजीव प्रतीक है।

नेपाल में एसबीआई बैंक डकैती की जांच के दौरान 60 हजार डॉलर बरामद

एजेंसी

काठमांडू। सिंधुली पुलिस ने एसबीआई बैंक डकैती की जांच के दौरान 60 हजार अमेरिकी डॉलर नकद बरामद किए हैं। यह विदेशी मुद्रा रात काठमांडू से इलाम जा रहे एक टाटा सूमो (बा 16 च 8048) वाहन से बरामद की गई। पुलिस के अनुसार रात करीब 11 बजे खुर्कोट बाजार स्थित चेकपोस्ट पर नियमित वाहन जांच के दौरान यह रकम झापा के मेचीनगर निवासी 34 वर्षीय युवराज नेवार के पास से एक काले बैग में मिली। बैग में 100 डॉलर के 600 नोट (कुल 60 हजार डॉलर) तथा 1,000 रुपये के 12 नोट (कुल 12 हजार) नेपाली रुपये पाए गए। दरअसल, सिन्धुली स्थित नेपाल एसबीआई बैंक में मंगलवार रात करीब 8 बजकर 40 मिनट पर तीन करोड़ से अधिक की लूट हुई है। इस घटना को अंजाम देने के लिए लुटेरे काठमांडू के पास रहे

काभ्रे से गाड़ी भाड़े पर ले गए थे। पुलिस के अनुसार कुल 3 करोड़ 10 लाख 95 हजार 283 रुपये लूट लिए गए। डीएसपी सूर्यप्रकाश सुवेदी के मुताबिक लूटे गए पैसों में से 1 करोड़ 80 लाख 10 हजार 500 रुपये नकद जंगल में फेंके हुए अवस्था में बरामद कर लिए गए हैं। हालांकि कुछ रकम मिलने के बावजूद लुटेरे अब भी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है। सिंधुली पुलिस ने एसबीआई बैंक लूटकांड की जांच के लिए अपने सभी कर्मियों को तैनात किया हुआ है। इसी अभियान के तहत झापा की ओर जा रहे इस वाहन से विदेशी मुद्रा बरामद की गई। पुलिस ने संबंधित वाहन और व्यक्ति को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

वेनेजुएला की अंतरिम सरकार ने कम से कम चार अमेरिकियों को रिहा किया

एजेंसी

वाशिंगटन। वेनेजुएला की अंतरिम सरकार ने अपने यहां की जेल में बंद कम से कम चार अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाए जाने के बाद यह अमेरिकी नागरिकों की पहली ज्ञात रिहाई है। यह ऐसे समय में हुई है जब डेल्सी रोड्रिग्ज के नेतृत्व वाली वेनेजुएला की अंतरिम सरकार ने दर्जनों राजनीतिक कैदियों को रिहा करना

शुरू कर दिया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा, हम वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए अमेरिकियों की रिहाई का स्वागत करते हैं। यह अंतरिम सरकार का सही दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, रिहाई में मदद के लिए विदेश विभाग की टीम वेनेजुएला गई थी। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला में जेलों में बंद सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा करने की मांग की है।

ईरान में नहीं होगी इरफान सुल्तानी को फांसी? सैन्य कार्रवाई के विकल्प पर ट्रंप बोले-क्या करूंगा वो नहीं बताऊंगा

एजेंसी

वाशिंगटन। ईरान में खामेनेई सरकार का तख्तापलट को लेकर शुरू हुए प्रदर्शन को दो सप्ताह से ज्यादा हो गए हैं। ईरान सरकार ने प्रदर्शनों को कुचलने के लिए सरकार सख्ती बरतने के मूड में दिख रही है। सरकार ने 8 जनवरी को गिरफ्तार किए गए 26 साल के प्रदर्शनकारी को फांसी पर लटकाने का फरमान सुनाया था। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि उन्हें भरोसेमंद जानकारी मिली है कि ईरान में हत्याएं रोक दी गई हैं और जिन फांसियों को लेकर आशंका जताई जा रही थी, वे अब नहीं होंगी। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर प्रदर्शनकारियों पर ज्यादती नहीं रुकी तो वह आगे बढ़कर उनकी मदद करेगा। वेनेजुएला में हमले के बाद आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका ईरान पर स्ट्राइक कर सकता है और इस बात से ट्रंप ने इनकार भी नहीं किया है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह सूचना उन्हें हाल ही में मिली है कि ईरान में हत्या रुक रही है और फांसी देने की कोई योजना नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, यह खबर उन संभावित फांसियों से जुड़ी है जिनके बारे में कई लोगों का मानना था कि वे जल्द

होने वाली हैं। ट्रंप ने कहा, 'आज फांसी का दिन माना जा रहा था और अहम बात यह है कि हमें बताया गया है कि फांसी नहीं दी जाएगी। यह जानकारी उन्हें दूसरी तरफ के बहुत महत्वपूर्ण स्रोतों से मिली, हालांकि उन्होंने इन स्रोतों की पहचान नहीं बताई और न ही यह स्पष्ट किया कि यह सूचना किस माध्यम से दी गई।'

जब उनसे पूछा गया कि ईरानी अधिकारी इस पर अमल करेंगे या नहीं, तो ट्रंप ने सावधानी बरतने की बात कही। उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे कि क्या होता है। अगर ऐसा होता है तो हम सब बहुत परेशान होंगे और फिर आप (ईरान) भी बहुत परेशान होंगे।' पत्रकारों ने ट्रंप से यह भी पूछा कि क्या इस बयान का मतलब यह है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प अब खत्म हो गया है। इस पर ट्रंप ने किसी भी विकल्प को खारिज करने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'हम देखेंगे कि प्रक्रिया क्या है। मैं आपको यह नहीं बताने वाला कि मैं क्या करने को तैयार हूं।' ईरान के भीतर हिंसा और झड़पों की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच गोलीबारी हुई। इन सबके बावजूद सबसे अहम बात फांसियों का रुकना है। पिछले कुछ दिनों से बहुत लोग इस पर बात कर रहे थे। और हमें अभी बताया गया है कि फांसी रोक दी गई है। ट्रंप ने उम्मीद जताई कि यह जानकारी सही साबित होगी।

ट्रंप ने इस घटनाक्रम पर अमेरिका की ओर से किसी नई नीति या कदम की घोषणा नहीं की और कहा कि प्रशासन स्थिति पर करीबी नजर रखेगा। यह बयान व्हाइट हाउस में एक हस्ताक्षर समारोह के बाद हुए सवाल-जवाब सत्र के दौरान आया, जहां ट्रंप ने वेनेजुएला और ग्रीनलैंड सहित कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी सवालों के जवाब दिए। ईरान पर अपनी बात समाप्त करते हुए उन्होंने कहा, 'हम नजर रखेंगे। हम देखेंगे कि क्या होता है।

page 1 and 8 jan 16_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/15/2026 11:54 PM Page 2

कैसे लें चने की भरपूर उपज

चना देश की सबसे महत्वपूर्ण दलहनी फसल है। चने को दालों का राजा भी कहा जाता है। पोषक मान की दृष्टि से चने के 100 ग्राम दाने में औसतन 11 ग्राम पानी, 21.1 ग्राम प्रोटीन, 4.5 ग्राम वसा, 61.65 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 149 मि.ग्रा. कैल्शियम, 7.2 मि.ग्रा. लोहा, 0.14 मि.ग्रा. राइबोफ्लेविन तथा 2.3 मि.ग्रा. नियासिन पाया जाता है। इसकी हरी पत्तियां साग और हरा तथा सूखा दाना सब्जी व दाल बनाने में प्रयुक्त होती हैं। चने की दाल से अलग किया हुआ छिलका और भूसा पशु चाव से खाते हैं। दलहनी फसल होने के कारण यह जड़ों में वायुमंडलीय नाइट्रोजन स्थिर करती है, जिससे खेत की उर्वराशक्ति बढ़ती है। देश में चने की खेती मुख्य रूप से उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा बिहार में की जाती है। सबसे अधिक चने का क्षेत्रफल एवं उत्पादन वाला राज्य मध्य प्रदेश है।

चना एक शुष्क एवं ठंडी जलवायु की फसल है। इसे रबी मौसम में उगाया जाता है। इसकी खेती के लिए मध्यम वर्षा (60-90 सें.मी. वार्षिक) और सर्दी वाले क्षेत्र सर्वाधिक उपयुक्त हैं। फसल में फूल आने के बाद वर्षा का होना हानिकारक होता है। वर्षा के कारण फूल में परागकण एक दूसरे से चिपक जाते हैं, जिससे बीज नहीं बनते हैं। इसकी खेती के लिए 24 से-30 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त माना जाता है।

▶▶ भूमि की तैयारी

चने की खेती दोमट भूमि से मटियार भूमि में सफलतापूर्वक की जा सकती है। चने की खेती हल्की से भारी भूमि में भी की जाती है, किन्तु अधिक जलधारण एवं उचित जलनिकास वाली भूमि सर्वोत्तम रहती है। मृदा का पी-एच मान 6-7.5 उपयुक्त रहता है। असिंचित अवस्था में मानसून शुरू होने के पूर्व गहरी जुताई करने से रबी के लिए भी नमी संरक्षण होता है। एक जुताई मिट्?टी पलटने वाले हल तथा 2 जुताई देसी हल से की जाती है, पिफर पाटा चलाकर खेत को समतल कर लिया जाता है।

▶▶ प्रमुख किस्में

समय पर बुआई के लिए-जी.एनजी. 1581 (गणगौर), जी.एन.जी. 1958 (मरुधर), जी.एन.जी. 663, जी.एन.जी. 469, आर.एस.जी. 888, आर.एस.जी. 963, आरएस.जी. 973, आर.एस.जी. 986, देरी से बुआई के लिए-जी.एन.जी. 1488, आर.एसजी. 974, आर.एस.जी. 902, आर.एस.जी. 945 प्रमुख हैं।

काबुली चना

• एल 550 - यह 140 दिनों में पकने वाली किस्म है। इसकी उपज 10 से 13 क्विंटल/हेक्टेयर है। इसके 100 दानों का वजन 24 ग्राम है।

• सी-104 यह किस्म 130-135 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। यह औसतन 10 से13 क्विंटल/हेक्टेयर उपज देती है। इसके 100 दानों का वजन 25-30 ग्राम होता है।

अन्य किस्में जी.एन.जी. 1669 (त्रिवेणी), जी.एन.जी. 1499, जी.एन.जी. 1992।

▶▶ चने की बुआई का समय

10 अक्टूबर से 5 नवम्बर

बीज की मात्रा

मोटे दानों वाला चना 80-100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर, सामान्य दानों वाला चना 70-80 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर काबुली चना (मोटा दाना) 100-120 कि.ग्रा./हेक्टेयर।

▶▶ बीजोपचार

1. बीज को पहले रासायनिक फफूंदीनाशक से उपचारित करने के बाद जैविक कल्चर से छाया में उपचारित कर तुरंत बुआई करें, जिससे जैविक बैक्टीरिया जीवित रह सकें।

2. फसल को उकठा रोग से बचाने के लिए बीज को बुआई के पूर्व फफूंदीनाशक वीटावैक्स पॉवर, कैप्टॉन, थीरम या प्रोवेक्स में से कोई एक 3 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। इसके पश्चात एक किलो बीज में राइजोबियम कल्चर तथा ट्राइकोडर्मा विरडी 5-5 ग्राम मिलाकर उपचारित करें।

3. बीज की अधिक मात्रा को उपचारित करने के लिए, सीड ड्रेसिंग ड्रम का उपयोग करें, जिससे बीज एक समान उपचारित हो सके।

▶▶ उर्वरक

अच्छी पैदावार के लिए 20-25 टन सड़ी गोबर की खाद खेत की तैयारी के समय खेत में मिलाएं। उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर करें। नाइट्रोजन 20 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर (100 कि.ग्रा. डाई अमोनियम फॉस्पेफट),फॉस्फोरस 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर, जिंक सल्फेट 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर।

▶▶ देशी किस्में

• जे.जी. 315- यह किस्म 125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। औसत उपज 12 से 15 क्विंटल/हेक्टेयर है। इसके 100 दानों का वजन 15 ग्राम है एवं बीज का रंग बादामी है तथा देर से बोने के लिए उपयुक्त किस्म है।

• विजय: सर्वाधिक उपज देने वाली 90-105 दिनों में तैयार होने वाली यह किस्म है। यह सिंचित व असिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। इस किस्म में अधिक शाखायें व मध्यम ऊंचाई वाले पौधे होते हैं। उपज क्षमता 24-45 क्विंटल/हेक्टेयर है।

• जी.एन.जी.-2171 (मीरा) राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली जैसे उत्तरी- पश्चिमी मैदानी सिंचित क्षेत्रों के लिए अधिसूचित किस्म। दाना मध्यम आकार व सुनहरे रंग का, जड़ गलन, विल्ट व झुलसा रोग के प्रति सहनशील। लगभग 150 दिनों में पककर तैयार होती है और उपज 24 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

• जी.एन.जी-2144 (तीज) राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों के लिए अधिसूचित यह किस्म दोहरे फूल व 20 से 25 प्रतिशत दोहरी फली वाली है। देरी से बुआई योग्य इस किस्म की दिसंबर के पहले सप्ताह में भी बुआई कर सकते हैं। बुआई के 130 से 135 दिनों में तैयार होने के साथ ही इसकी औसत उपज 23 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

▶▶ बुआई की विधि

चने की बुआई कतारों में करें। 7 से 10 सें.मी. गहराई पर बीज डालें। कतार से कतार की दूरी 30 सें.मी. (देसी चने के लिए) तथा 45 सें.मी. (काबुली चने के लिए)।

▶▶ खरपतवार नियंत्रण

फ्लूक्लोरेलिन 200 ग्राम (सक्रिय तत्व) का बुआई से पहले या पेंडीमेथालीन 350 ग्राम (सक्रिय तत्व) का अंकुरण से पहले 300-350 लीटर पानी में घोल बनाकर एक एकड़ में छिड़काव करें। पहली निराई-गुड़ाई बुआई के 30-35 दिनों बाद तथा दूसरी 55-60 दिनों बाद आवश्यकतानुसार करें।

सिंचाई

आमतौर पर चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है। चने की फसल के लिए कम जल की आवश्यकता होती है। चने में जल उपलब्धता के आधार पर पहली सिंचाई फूल आने के पूर्व अर्थात बोने के 45

दिनों बाद एवं दूसरी सिंचाई दाना भरने की अवस्था पर अर्थात बोने के 75 दिनों बाद करनी चाहिए।

▶▶ अन्य समस्याएं

• सूत्राकृमि सूत्राकृमि के प्रकोप से पौधा अविकसित रह जाता है। जड़ें छोटी रह जाती हैं और उत्पादन प्रभावित होता है।

• नियंत्रण के लिए गर्मियों में गहरी जुताई करें, प्रतिरोधी किस्म का चयन करें। गैर-दलहनी फसलों जैसे मक्का, धान या मूंगफली को फसलचक्र में शामिल करें। रासायनिक नियंत्रण प्रकोप के आधार पर 10-15 कि.ग्रा. कार्बोफ्यूरॉन प्रति एकड़ का प्रयोग करें।

▶▶ उपज

चने की शुद्ध फसल से प्रति हेक्टेयर लगभग 20-25 क्विंटल दाना एवं इतना ही भूसा प्राप्त होता है। काबुली चने की पैदावार देसी चने से तुलना में थोड़ी कम होती है।

▶▶ पौध संरक्षण

माहूं व चेंपा माहूं व चेंपा, पौधे का रस चूसकर इसे कमजोर करते हैं। इनके नियंत्रण के लिए 5 ग्राम थायोमेथाक्जम 25 डब्ल्यूजी जैसे एकतारा, अनंत या 5 ग्राम इमिडाक्लोप्रिड 70 डब्ल्यू.जी. एडमायर या एडफायर का प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

▶▶ कटुआ सूंडी

इस कीट की रोकथाम के लिए 200 मि.ली. फेनवालरेट (20 ई.सी.) या 125 मि.ली. साइपरमैथ्रीन (25 ई.सी.) को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

▶▶ फलीछेदक

• उकठा रोग निरोधक किस्मों का प्रयोग करना चाहिए।

• प्रभावित क्षेत्रों में फसलचक्र अपनाना लाभकर होता है।

• प्रभावित पौधे को उखाड़कर नष्ट करना अथवा गड्ढे में दबा देना चाहिए

• बीज को कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम या ट्राइकोडर्मा विरडी से 4 ग्राम/कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित कर बोना चाहिए।

▶▶ पौधों का पीलापन व मुरझान

पीलापन तथा मुरझान की समस्या के नियत्रांण के लिए 45 ग्राम कॉपर आक्सीक्लारोइड या 30 ग्राम कार्बेन्डेजिम प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर जमीन में दें अथवा 100 ग्राम थायोफैनेट मिथाइल, 70 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में छिड़कें।

▶▶ अल्टरनेरिया झुलसा रोग

फूल व फली बनते समय अल्टरनेरिया झुलसा रोग हो सकता है। इससे पत्तियों पर छोटे, गोल-बैंगनी धब्बे बनते हैं। यह नमी अधिक होने से पूरी पत्ती पर फैल जाता है। नियंत्रण केलिए 3 ग्राम मैन्कोजेब, 75 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. या 2 ग्राम मेटालैक्सिल 8 प्रतिशत मैन्कोजेब, 64 प्रतिशत (संचार या रिडोमिल) प्रति लीटर पानी में छिड़कें।

▶▶ फसल कटाई से जुड़ी जानकारी

• परिपक्व अवस्था: जब पौधे के अधिकतर भाग और फलियां लाल भूरी हो कर पक जाएं तो कटाई करें। खलिहान की सफाई करें और फसल को धूप में कुछ दिनों तक सुखायें तथा गहाई करें। भंडारण के लिए दानों में 12-14 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए

• भंडारण: चने के भंडारण हेतु भंडार गृह की सफाई करें तथा दीवारों एवं फर्श की दरारों को मिट्टी या सीमेंट से भर दें। चूने की पुताई करें तथा 15 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार 10 मि.ली. मेलाथियान 50 प्रतिशत ई.सी. प्रति लीटर पानी के घोल का 3 लीटर/100 वर्ग मीटर की दर से दीवार तथा फर्श पर छिड़काव करें।

• अनाज भंडारण के लिए बोरियों को मेलाथियान 10 मि.ली./लीटर पानी के घोल में डुबोकर सुखाएं।

(Compiled by : C M Sharma)

अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक जल्दी तैयार होने वाला फल -पपीता

पपीता पोषक तत्वों से भरपूर अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक जल्दी तैयार होने वाला फल है पपीते का पके तथा कच्चे रूप में प्रयोग किया जाता है इसका आर्थिक महत्व ताजे फलों के अतिरिक्त पपेन के कारण भी है, जिसका प्रयोग बहुत से औद्योगिक कामों में होता है इसलिए पपीते की खेती की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ती जा रही है और क्षेत्रफल की दृष्टि से यह हमारे देश का पांचवा लोकप्रिय फल है देश के अधिकांश भागों में घर की बगिया से लेकर बागों तक पपीते की बागवानी का क्षेत्र निरन्तर बढ़ता जा रहा हैं

देश के विभिन्न राज्यों आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू, बिहार, आसाम, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर तथा मिजोरम में इसकी खेती की जा रही है अतः इसके सफल उत्पादन के लिए वैज्ञानिक पद्धति या तकनीकों का उपयोग करके कृषक इसकी फसल से अच्छी उपज प्राप्त कर सकते हैं इस लेख में कृषकों के लिए पपीते की वैज्ञानिक तकनीक से बागवानी कैसे करें की जानकारी का विस्तृत उल्लेख किया गया है

पपीते की खेती की सबसे अच्छी उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रो में होती है लेकिन समशीतोष्ण क्षेत्रो में भी अच्छी पैदावार देता है शुष्क गर्म जलवायु में इसके फल अधिक मीठे होते है परन्तु अधिक नमी इसके फलो के गुणों को खराब कर देती है, और पैदावार भी प्रभावित होती है इसके उत्पादन के लिए तापक्रम 22 से 26 डिग्री सैंटीग्रेट के बिच और 10 डिग्री सेंटीग्रेट से कम नहीं होना चाहिए, क्योंकि अधिक ठण्ड तथा पाला इसके लिए शत्रु के समान है

पपीता किसी भी प्रकार की भूमि में उगाया जा सकता है, लेकिन इसकी सबसे अच्छी उपज जीवांश युक्त हलकी दोमट या दोमट मृदा जिसमे जल निकास कि व्यवस्था अच्छी हो, इसलिए इसके लिए दोमट हवादार काली उपजाऊ भूमि का चयन करना चाहिए और जिसका पीएच मान 6.5 से .5 के बिच होना चाहिए और पानी बिलकुल नहीं रुकना चाहिए, पपीते की खेती के लिए मध्य काली और जलोढ़ भूमि भी अच्छी होती है

पपीता में नियंत्रित परागण के अभाव और बीजय प्रर्वधन के कारण किस्में अस्थाई हैं तथा एक ही किस्म में विभिन्नता पाई जाती हैं अत: फूल आने से पहले नर और मादा पौधों का अनुमान लगाना कठिन है इनकी कुछ प्रचलित किस्में जो देश के विभिन्न भागों में उगाई जाती हैं और अधिक संख्या में मादा फूलों के पौधे मिलते हैं जिनमें मुख्य हैं, जैसे-

हनीड्यु या मधु बिन्दु, कुर्ग हनीड्यू, वांशिगटन, कोय- 1, कोय- 2, कोय- 3, फल उत्पादन तथा पपेन उत्पादन के लिए कोय- 5, कोय- 6, कोय- , एम एफ- 1 और पूसा मेजस्टी मुख्य हैं पपेन का अन्तराष्ट्रीय व्यापार में महत्व है इनमें पपेन अन्य किस्मों से अधिक निकलते हैं

उत्तरी भारत में तापक्रम का उतार-चढ़ाव काफी अधिक होता है इसलिए उभयलिंगी फूल वाली किस्में ठीक उत्पादन नहीं दे पाती हैं, जब कि कुर्ग हनीड्यू, दक्षिण भारत में अधिक पैदावार के लिए सफल सिद्ध हुई है

कोय- 1, पंजाब स्वीट, पूसा डेलिसियस, पूसा मेजस्टी, पूसा जाइन्ट, पूसा डुवार्फ, पूसा नन्हा, म्यूटेन्ट आदि किस्में, जिनमें मादा फूलों की संख्या अधिक होती हैं और उभयलिंगी हैं, उत्तरी भारत में काफी सफल हैं

हवाई की 'सोलो किस्म जो उभयलिंगी और मादा पौधे होते हैं, उत्तरी भारत में इसके फल छोटे और निम्न कोटि के होते हैं

पपीता के उत्पादन के लिए पौधशाला में पौधों को उगाना बहुत महत्व रखता है इसके लिए बीज की मात्रा एक हैक्टेयर में पपीता के लिए 500 ग्राम काफी होती है बीज पूर्ण पका हुआ, अच्छी तरह सूखा शीशे की बोतल या जार में रखा हो, जिसका मुंह ढका हो और 6 महीने से अधिक पुराना न हो, उपयुक्त है बोने से पहले बीज को केप्टान से उपचारित कर लेना चाहिए इसके लिए 3 ग्राम केप्टान एक किलोग्राम बीज को उपचारित करने के लिए काफी है

बीज बोने के लिए क्यारी जो जमीन से उंची उटी हुई संकरी होनी चहिए, इसके अलावा बड़े गमले या लकड़ी के बक्सों का भी प्रयोग कर सकते हैं इन्हे तैयार करने के लिए पत्ती की खाद, बालु तथा सड़ी हुई गोबर की खाद बराबर भागों में मिलाकर मिश्रण तैयार कर लेते हैं जिस स्थान पर नर्सरी होती हैं, जमीन की अच्छी गुड़ाई-जुताई करके समस्त कंकड़ पत्थर तथा खरपतवार निकाल कर साफ कर देना चाहिए और जमीन को 2 प्रतिशत फोरमिलीन से उपचारित कर लेना चाहिए

वह स्थान जहां पर तेज धूप तथा अधिक छाया न आये चुनना चाहिए एक एकड़ के लिए 4056 मीटर जमीन में उगाये गये पौधे काफी होते हैं इसमें 2.5 X 10 X 0.5 आकार की क्यारी बनाकर उपर्युक्त मिश्रण अच्छी तरह मिला दें

और क्यारी को उपर से समतल कर दें इसके बाद मिश्रण की तह लगाकर 1/2 X 2 इंच गहराई पर 3 X 6 इंच के फासले पर पंक्ति बनाकर उपचारित बीज बो दें और फिर 1/2 X 2 इंच गोबर की खाद के मिश्रण से ढककर लकड़ी, से दबा दे ताकि बीज उपर न रह जाये

यदि गमलों या बक्सों का उगाने के लिए प्रयोग करें, तो इनमें भी इसी मिश्रण का प्रयोग करें बोई गई क्यारियों का सूखी घास या पुआल से ढक दें तथा सुबह व शाम हज्जारे द्वारा पानी देना आवश्यक है बोने के लगभग 15 से 20 दिन के भीतर बीज का जमाव हो जाता हैं जब इन पौधों में 4 से 5 पत्तियां निकल आयें तो छोटे गमले 6' आकार में मिश्रण भर कर लगा दें

जब पौधे खेत में प्रतिरोपण करने के लिए तैयार हो जाते हैं, तो प्रतिरोपण करने से पहले गमलों को धूप में एक दिन रखना चाहिए और खेत में सदैव पौधे संध्या के समय लगाकर उचित पानी देना चाहिए किसी भी हालत में पानी अधिक न हो जायें नहीं तो पौधों को तुरन्त सड़न और उकठा का रोग लग जायेगा उत्तरी भारत में नर्सरी में बीज मार्च, अप्रेल, जून और अगस्त में उगाने चाहिए

प्लास्टिक थैलियों में बीज उगाना- इसके लिए 200 गेज और 20 X 15 सेंटीमीटर आकार की थैलियों की जरूरत होती है, जिनकों किसी कील से नीचे और साइड में छेद कर देते हैं तथा 1:1:1:1 पत्ती की खाद, रेत, गोबर और मिट्टी का मिश्रण बनाकर थैलियों में भर देते हैं प्रत्येक थैली में दो या तीन बीज बो देते हैं प्रतिरोपण करते समय थैली का नीचे का भाग फाड़ देना चाहिए

पौध लगाने से पहले खेत की अच्छी तरह तैयारी करके खेत को समतल कर लेना चाहिए, ताकि पानी न भर सकें फिर पपीता की सघन व्यावसायिक बागवानी के लिए 50 X 50 X 50 सेंटीमीटर आकार के गड्ढे 1.5 X 1.5 मीटर के फासले पर खोद लेने चाहिए ओर प्रत्येक गड्ढे में 30 ग्राम बी एच सी 10 प्रतिशत डस्ट मिलाकर उपचारित कर लेना चाहिए उंची बढ़ने वाली किस्मों के लिये 1.8 X 1.8 मीटर फासला रखते हैं जब पौधे 20 से 25 सेंटीमीटर हो जायें तो पहले से तैयार किये पौधों को 2 से 3 की संख्या में प्रत्येक गड्ढे में 10 सेंटीमीटर के फासले पर लगा देते हैं

पौधे लगाते समय इस बात का ध्यान रखते हैं, कि गड्ढे का ढाल पौधे की तरफ हो, पौधे लगाने के बाद सिंचाई कर देनी चाहिए पपीता लगाने का उचित समय अप्रैल, अगस्त और सितम्बर है फूल आने के बाद केवल दस प्रतिशत नर पौधों को छोड़ कर सभी नर पौधों को निकाल देना चाहिए और उनकी जगह नये पौधे लगा दें बरसात के दिनों में पेड़ों के पास मिट्टी चढ़ा देनी चाहिए, जिससे पानी तने से न लगे

पपीता जल्दी फल देना शुरू कर देता है, इसलिए इसे अधिक उपजाऊ भूमि की जरूरत है अतः अच्छी फसल के लिए 200 ग्राम नाइट्रोजन, 250 ग्राम फास्फोरस और 500 ग्राम पोटाश प्रति पौधा की आवश्यकता होती है इसके अतिरिक्त प्रति वर्ष पौधा 15 से 25 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद, 1 किलोग्राम हड्डी का चूरा तथा 1 किलोग्राम नीम की खली की जरूरत पड़ती है

खाद की यह मात्रा तीन बराबर मात्रा में मार्च से अप्रेल, जुलाई से अगस्त और अक्टूबर महीनों में देनी चाहिए दिसम्बर से जनवरी माह में उर्वरक नहीं डालना चाहिए, क्योंकि तापमान उत्तर भारत में इस समय काफी कम होता है और जाड़े में पौधों की वृद्धि रुक जाती है पपीता लगाने के 4 माह बाद से उर्वरक डालने की आवश्यकता होती है

पपीते के पौधे पानी के जमाव के प्रति संवेदनशील होते हैं अतः इन्हें ऐसी भूमि में लगाना चाहिए जहाँ पानी के निकास का उत्तम प्रबंध हो खास तौर पर जहाँ अधिक वर्षा होती है और भारी मिट्टी है, वहाँ का विशेष ध्यान रखना चाहिए पपीते के पौधों में समय-समय पर सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है पानी की कमी होने पर उत्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ता है यदि ठीक समय पर सिंचाई न की जाये तो पौधे की वृद्धि रुक जाती है जलवायु के अनुसार नये पौधों में 2 से 3 दिनों के अन्तर पर सिंचाई करनी चाहिए, जबकि एक साल पुराने पौधों में गर्मी में 6 से दिनों के अन्तराल पर तथा सर्दी में 10 से 15 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए (जब वर्षा न हो)

पपीते के पौधे के पास पानी के जमाव होने पर पौधे में गलन की बिमारी लग जाती है और पौधा मर जाता है इसलिए पपीते के खेत में जल निकास की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए और पौधे की जड़ के पास 15 से 20 सेंटीमीटर ऊँची मिट्टी चढ़ा देनी चाहिए, ताकि सिंचाई या वर्षा का पानी तने के सम्पर्क में न आये 60 से 80 प्रतिशत तक ज़मीन में उपलब्ध मृदा नमी सिंचाई के लिए उपयुक्त पायी गयी हैं यदि लम्बे समय तक पपीते के पौधे को पानी न मिले तो पौधे की वृद्धि एवं विकास रुक जाता है

यह भी देखा गया है, कि पानी की कमी होने पर नर फूल अधिक निकलते हैं परन्तु यदि खेत में लम्बे समय तक अधिक नमी बनी हुई है, तो फल विकृत आकार के हो जाते हैं केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान में प्रयोगों द्वारा यह पाया गया कि यदि पौधों को नाली से या पूरे खेत में पानी लगाने की तुलना में बेसिन विधि से सिंचाई करें, तो पानी कम लगता है तथा अधिक गुणवत्तायुक्त फल का उत्पादन होता है

यदि खेत में पानी का पलेवा करते हैं, तो पौधे पानी के सम्पर्क में सीधे आने की सम्भावना रहती है इससे तना गलन की समस्या हो जाती है और पानी भी अधिक खर्च होता है सिंचाई की टपक विधि 50 से 60 प्रतिशत तक पानी बचाता है पानी की उपयोग क्षमता भी टपक विधि द्वारा बढ़ जाती है गर्मी में पर्याप्त नमी खेत में नहीं रहने पर फूल व फल गिरते हैं

सर्दी में छोटे पौधों की पाले से रक्षा करना आवश्यक होता है इसके लिए छोटे पौधों को नवम्बर में तीन तरफ से घास-फूस या सरपत से अच्छी प्रकार ढक देते हैं पूर्व-दक्षिण दिशा में पौधा खुला छोड़ दिया जाता है जिससे सूर्य का प्रकाश पौधों को मिलता रहे पाले की संभावना होने पर पौधों की सिंचाई करें और धुआ करने से भी पाले का भी प्रकोप कम होता है फरवरी के अन्त में जब पाले का डर नहीं रहता, उस समय घास-फूस को हटा देना चाहिए

पपीते का बाग साफ-सुथरा होना चाहिए इसमें किसी प्रकार का खरपतवार नहीं होना चाहिए प्रत्येक सिंचाई के बाद पौधे के चारों तरफ हल्की गुड़ाई अवश्य करनी चाहिए पौधे के आस-पास गहरी गुड़ाई या जुताई नहीं करनी चाहिए गहरी गुड़ाई करने से खुराक लेने वाली जड़े कट जाती हैं पपीते के पौधे के 3 से 4 फिट तक के क्षेत्र में खरपतवार नियंत्रण आवश्यक होता है

जैविक पलवार के प्रयोग से खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है और मिट्टी में नमी भी अधिक समय तक सुरक्षित रखी जा सकती है खरपतवार नियंत्रण द्वारा कीड़े-मकोड़ों से भी फसल की रक्षा हो जाती है एवं विषाणु रोग से भी बचाव होता है

पपीते के पौधे के मध्य में प्रथम वर्ष में कम बढ़ने वाली सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी प्याज, लहसुन आदि की खेती की जा सकती है

यदि पपीते में अधिक संख्या में फल लगते है, तो फल की अच्छी बढ़वार नहीं हो पाती है कुछ फलों का आकार बहुत छोटा व कुरुप हो जाता है तथा कुछ अपने आप गिर जाते है अतः अधिक पास पास लगे फलों को प्रारंभिक अवस्था में तोड़ देना चाहिए जिससे बचे फल बड़े आकार के उच्च गुणवत्ता युक्त प्राप्त होते हैं